अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 248 लखनऊ, गुरुवार, 27 मार्च 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

सड़क पर नमाज पढ़ी तो पासपोर्ट व लाइसेंस होगा जब्त: एएसपी

मेरठ। जुमा अलविदा और ईद की नमाज को लेकर पुलिस ने सख्त आदेश जारी किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक नगर (एएसपी सिटी) आयुष विक्रम ने बुधवार को बताया कि अगर कोई सड़क पर नमाज पढ़ता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। साथ ही उसका पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर लिया जाएगा। रमजान के आखिरी अलविदा की नमाज और ईद-उल-फितर पर अदा की जाने वाली नमाज के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एएसपी सिटी ने सभी मुस्लिमों से कहा है कि ईदगाह और मस्जिद के अलावा कहीं भी नमाज न अदा करें। अगर कोई नमाजी सड़क पर नमाज पढ़ता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सड़क पर नमाज पढ़ने पर पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस भी जब्त किया जाएगा। पिछले साल भी नमाज पढ़ने वाले 200 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की गई थी।

राणा सांगा की वीरता और देशभक्ति पर कोई सवाल नहीं: अखिलेश

लखनऊ। सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर हुए हमले के बाद अखिलेश यादव एक तरह से बैकफुट पर दिखाई दिए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही। हमारा उद्देश्य किसी इतिहास पुरुष का अपमान करना नहीं हो सकता। लेकिन साथ ही उन्होंने सरकार पर भी सवाल दागा। कहा कि क्या पीडीए सांसद पर इस तरह का हमला जीरो टॉलरेंस के अंतर्गत आएगा।

सेना के लिए 6900 करोड़ रूपये में खरीदी जायेंगी अत्याधुनिक तोप प्रणाली

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सेना को अत्याधुनिक तोपों से लैस करने के लिए 6900 करोड़ रूपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सेना की तोपखाना क्षमता बढाने के उद्देश से 155 मिमी/52 कैलिबर एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम और हाई मोबिलिटी गन टोइंग व्हीकल्स की खरीद की जायेगी। मंत्रालय ने इसके लिए भारत फोर्ज लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड के साथ अनुबंध किया है। हस्ताक्षर के समय रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी मौजूद थे। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय द्वारा चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक पूंजीगत खरीद के लिए कुल 1.40 लाख करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।

अमेरिका से व्यापार समझौते में देश के हितों का रखा जाएगा ध्यान : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया है कि अमेरिका से द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की वार्ता के दौरान हमारा पक्ष देश के हितों विशेषकर कृषि से संबंधित मुद्दों पर देश के हितों की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों को लेकर हमारी चिंतायें हैं लेकिन समझौता क्या अंतिम रूप लेगा इसे लेकर हमें पूर्व अनुमान नहीं लगाना चाहिए। विदेश मंत्री राजधानी में एशिया सोसाइटी पॉलिसी संस्थान की अध्यक्ष डॉ किंग वा सांग की ओर से आयोजित एक संगोष्ठी में बुधवार को यह विचार व्यक्त किए। विश्व व्यापार संगठन में भारत के पूर्व वार्ताकार जेएस दीपक ने इनका ध्यान अमेरिकी सरकार द्वारा भारतीय आयात पर सीमा शुल्क बढ़ाने तथा भारत पर आयात निर्यात के लिए छूट देने पर दवाब बनाने की ओर आकृष्ट किया था।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान : मुख्यमंत्री

- जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 200 फरियादियों की समस्याएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए फरियादियों से लोगों से आत्मीयता से संवाद किया। उन्होंने कहा कि आप घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण होगा। वह बुधवार की सुबह गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान प्रदेश भर से आए फरियादियों की समस्याएं सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे।

विपक्ष भड़काता है मुस्लमानों को : योगी

आगरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां कहा कि विपक्ष मुसलमानों को भड़काता है। विदेशी आक्रांताओं ने आस्था का अपमान किया था। उन्होंने यहां के मंदिरों को तोड़ा और भारत का खजाना लूटा। यह बात सभी को समझनी चाहिए। मुख्यमंत्री यहां राजामंडी स्थित श्री दरियानाथ मंदिर में ब्रह्मलीन संत योगी सिद्धनाथ महाराज के शंखढाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। योगी आदित्यनाथ नाथ सम्प्रदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और यह मंदिर नाथ सम्प्रदाय का है। श्री दरियानाथ मंदिर पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सजी-धजी एक बग्गी में बैठाकर मंदिर तक लाया गया। इस दौरान मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग को सजाया गया था। कार्यक्रम में मौजूद साधु-संतों का योगी आदित्यनाथ ने आह्वान किया कि वे सनातनी विरासत को सहेजने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा ह्न हमने समाज और संतों को जोड़ने का काम किया है। अब संत सनातनी विरासत को सहेजें। उन्होंने संत समाज से यह भी अपील की कि वे मोबाइल फोन का कम से कम उपयोग करें। मोबाइल फोन में हम सभी को जो भी दिखाया जा रहा है, वह सही हो, यह जरूरी नहीं है।

सहकारिता विवि विधेयक लोकसभा में ध्वनिमत से पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने प्रशिक्षित श्रमबल के सहयोग से देश में सहकारिता को बढावा देने के लिए पेश 'त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक-2025' को बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुये कहा कि सहकारिता देश के हर क्षेत्र और हर परिवार से ताल्लुक रखता है, हर गांव में सहकारिता की इकाइयां हैं। सहकारिता कृषि विकास, ग्रामीण विकास से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि सहकारिता की मजबूती से देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होगी, इससे स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे, नवाचार होगा और अनुसंधान के नये मानक गढ़े जायेंगे इस मकसद को पूरा करने के लिए सरकार त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक लेकर आई है।

श्री शाह ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय रखने का उद्देश्य सहकारिता के क्षेत्र श्री त्रिभुवन भाई पटेल के किये गये कार्यों को सम्मान और मान्यता देना है। श्री पटेल ने अमूल डेयरी जैसे विश्व स्तरीय ब्रांड की नींव रखी थी। उनके प्रयासों से 250 लीटर दूध से शुरू की गयी अमूल डेयरी की यात्रा आज 60 हजार करोड़ रुपये तक कारोबार तक पहुंच गयी है। अमूल का व्यवसाय आज कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों से भी बड़ा है। अमूल 36 लाख महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराता है।

उन्होंने कहा कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में किये गये कार्यों के कारण मोदी सरकार का कार्यकाल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा।

देश में 11,395 आंगनवाड़ी सह शिशु गृह को दी गई स्वीकृति : केन्द्र

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने देश के 34 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में मुफ्त बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए 11,395 आंगनवाड़ी सह शिशु गृह (एडब्ल्यूसीसी) को स्वीकृति दी है। यह जानकारी बुधवार को महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने राज्यसभा में दी। राज्यसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री ने बताया कि केंद्र ने राज्यों के परिवहन मंत्रालय को सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों के लिए भोजन और चेंजिंग रूम स्थापित करने का निर्देश दिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच), नागर विमानन मंत्रालय, रेलवे बोर्ड और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक स्थानों पर समय-समय पर महिलाओं और बच्चों के लिए फीडिंग रूम और चेंजिंग रूम स्थापित करने के लिए लिखता रहा है। इस पर नागर विमानन मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के तहत हवाई अड्डों और गैर-एएआई हवाई अड्डों पर क्रमशः 164 और 148 फीडिंग रूम एवं चेंजिंग रूम स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के 26 बस स्टेशनों, कोयंबटूर में तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) के 2 बस स्टेशनों और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के 50 बस स्टेशनों पर फीडिंग रूम उपलब्ध हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के विवादित आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

- 'नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना' दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आता'

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस विवादित आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी जिसमें कहा गया था कि 'नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना' दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आता।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से कड़ी असहमति व्यक्त की और इसे 'चौंकाने वाला' बताया। न्यायमूर्ति गवई ने टिप्पणी की, यह एक गंभीर मामला है। न्यायाधीश(इलाहाबाद उच्च न्यायालय) की ओर से पूरी तरह असंवेदनशीलता है। यह समन जारी करने के चरण में था। हमें न्यायाधीश के खिलाफ ऐसे कठोर शब्दों का उपयोग करने के लिए खेद है। पीठ ने इन टिप्पणियों पर रोक लगाने का आदेश दिया और भारत संघ, उत्तर प्रदेश राज्य और उच्च न्यायालय की कार्यवाही में शामिल पक्षों को नोटिस जारी किए। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि हालांकि शीर्ष न्यायालय को आमतौर पर इस चरण में रोक लगाने में हिचक है, लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश के पैराग्राफ 21, 24 और 26 में की गयी टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों के विपरीत थीं और एक अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती थीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस बात पर सहमति जताते हुए कि यह एक 'चौंकाने वाला' फैसला था, कहा कि जिस तरह से मामले को संभाला गया वह बेहद गंभीर था। उन्होंने सुझाव दिया कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को रोस्टर के मास्टर के रूप में कदम उठाने चाहिए।

अमेरिकी कंपनी से एलसीए मार्क-1ए के लिए शुरू हुई इंजन की आपूर्ति

- प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री की वाशिंगटन यात्रा के दौरान उठाया गया था देरी का मुद्दा

एजेंसी

नई दिल्ली। आखिरकार लंबे इंतजार के बाद अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने भारत के स्वदेशी लड़ाकू जेट एलसीए मार्क-1ए के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इंजन की आपूर्ति शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की हाल ही वाशिंगटन यात्रा के दौरान इंजन आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया गया था। भारतीय वायु सेना के साथ फरवरी, 2021 में अनुबंध होने के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को इसी साल मार्च से नए विमान की आपूर्ति होनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान तेजस एमके-1ए में लगने वाले जनरल इलेक्ट्रिक एफ-404 इंजन की आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया था। अब जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को 99 एफ-404 इंजनों में से पहले की डिलीवरी करने का ऐलान 25 मार्च को कर दिया है?। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने एक बयान में कहा है कि एफ-404 इंजनों की आपूर्ति अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों का विकास करके भारत की सेना के लिए एक मजबूत भविष्य सुनिश्चित करने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

जीई एयरोस्पेस का कहना है कि भारत में सैन्य जेट प्रणोदन सहयोग का एक मजबूत इतिहास है। एचएएल के साथ 40 साल के संबंधों और देश की रक्षा निर्माण क्षमताओं को बढ़ाते हुए 1980 के दशक में एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के साथ सहयोग करने के बाद जीई एयरोस्पेस के एफ-404 इंजन को 2004 में सिंगल-इंजन तेजस के लिए चुना गया था।

हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि पर्व पर मुस्लिम फल विक्रेताओं की पहचान सुनिश्चित किए जाने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा। वृंदावन की सनातन धर्म रक्षापीठ के पीठाधीश्वर कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर मांग की है कि उनके सनातन धर्म एवं हिंदू संस्कृति के रीति का सबसे बड़ा पर्व चैत्र नवरात्रि एवं हिंदू नववर्ष प्रारंभ होने जा रहा है जिसके उपलक्ष्य में हर घर में माताएं बहनों द्वारा व्रत पूजन आदि कर देवी देवताओं को प्रसाद फल फूल आदि अर्पित किए जाते हैं सनातन धर्म के सभी त्योहार पूजन में विशेष रूप से पवित्रता शुद्धता का ध्यान रखा जाता है लेकिन गत दिनों से कई घटनाओं में मुस्लिम समुदाय के फल विक्रेताओं ने थूक जिहाद फैलाकर हमारी पवित्रता को नष्ट करने का प्रयास किया है इन विधर्मियों की दुष्टता ने करोड़ों हिंदू सनातनियों की आस्था को गहरी क्षति पहुंचाई है इसलिए उनकी धर्म पीठ सरकार एवं प्रशासन से निवेदन के साथ यह अनुरोध करती है कि नवरात्रि पर्व प्रारंभ से पहले पूरे जिले में सभी ग़ैर हिन्दू फल विक्रेताओं एवं दुकानदारों व्यापारियों के रेहड़ी दुकानों पर उनके नाम एवं प्रतिष्ठानों का नाम बड़े बड़े अक्षरों से अंकित कराने का निर्देश दिया जाए सनातन धर्म रक्षापीठ की महामंत्री नीतू सिंह चौहान हरसरु ने भी पत्र को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रदेश के गृह सचिव सहित डीजीपी को प्रेषित कराने की संस्तुति की जिसके तहत कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर ने उक्त पत्र की एक प्रति राज्य के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ सहित ग्रह सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को प्रेषित कर यह मांग व्यवस्था समूचे राज्य में लागू करने के निर्देश के आशय से प्रेषित की है।

सीबी गुप्ता खेल महोत्सव का भव्य शुभारम्भ

- स्कूल-कॉलजों के अलावा भारी संख्या में ग्रामीणों ने लिया हिस्सा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सीबी गुप्ता बीएसएस महाविद्यालय, चन्द्रवाल में बुधवार को 'सीबी गुप्ता खेल महोत्सव' की शुरुआत हुई। खेलों की भव्य शुरुआत ओलिंपिन पदमश्री सुधा सिंह और भरत सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अशोक बाजपेई ने की। शुभारम्भ में दौड़ते हुए मशाल लेकर खिलाडियों ने सी बी गुप्ता खेल मैदान में प्रवेश किया। खिलाडियों ने मशाल अर्जुन पुरस्कार विजेता एथलीट सुधा सिंह को सौंपी। सुधा सिंह ने यह मशाल आयोजक सीबी गुप्ता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुधा बाजपेई को सौंप कर खेलों की शुरुआत की।

मेजबान सीबी गुप्ता कॉलेज ने सीनियर बालक वर्ग मैं स्टडी हॉल को हराकर ख़िताब जीता। वहीं खो खो के सीनियर बालक और सीनियर बालिकाओं का दोहरा कगीताब अपने नाम किया। दोनों ही वर्गों में सीबी गुप्ता कॉलेज ने हीरालाल यादव को फाइनल में पराजित किया। इस मौके पर मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के महामंत्री राजेश सिंह, सदस्य रत्नेश गुप्ता, भारत सेवा संस्थान के डॉ. फ़िदा हुसैन अंसारी, भारत सेवा संस्थान के महामंत्री प्रो. जे. एन. मिश्रा, सदस्य एम सी भट्ट, रैपिड एक्शन फ़ोर्स के कमानडेंट अरुण तिवारी, सहायक कमानडेंट अजय वर्मा, निरीक्षक शिवेंद्र सिंह, कमलापुर के प्रधान रघुबीर, कबड्डी संघ के सी जी शुक्ला एवं पी सी यादव, खो खो संघ के राजेश वर्मा, उत्तर प्रदेश नॉन ओलिंपिक एसोसिएशन महासचिव ए के सक्सेना एवं सुमन सिंह समेत कई हस्तियाँ मौजूद रहीं।

पहले दिन के परिणाम- खो खो बालिका जूनियर फाइनल : बी के टी कॉलेज ने हराया लाला राम स्वरुप को 19-2, खो खो सेमीफाइनल सीनियर बालक - सीबी गुप्ता कॉलेज ने हराया हीरा लाल कॉलेजव को 16-8 से, जे एन पी जी ने हराया स्टडी हॉल को 18-12 से, खो खो सीनियर बालिका सेमीफइनल : सीबी गुप्ता कॉलेज ने हराया हीरा लाल कॉलेज को 11-9, नवयुग को जे एन पी जी के खिलाफ वाकओवर मिला, गुट्टा महिला वर्ग : स्वर्ण- कोमल यादव, रजत - सपना चौधरी, काँस्य - नमिता गौतम, गुब्बारा फुलाना : स्वर्ण- नमिता गौतम, रजत - रिया, काँस्य - कल्पना सुरबग्घी महिला : स्वर्ण - वंदना सिंह, रजत - ध्रुवी सिंह, काँस्य- शुक्ला रानी

सुरबग्घी पुरुष : स्वर्ण - देवी दयाल, रजत - राजकुमार, काँस्य- राधेलाल कश्यप, स्लो साइकिलिंग सीनियर : स्वर्ण - आकाश कुमार (ज़ी एस आर एम), रजत - कारण (सीबी गुप्ता कॉलेज), काँस्य- समीर (अवध कॉलेज). स्लो साइकिलिंग बलोक : स्वर्ण - प्रियंका (हीरालाल कॉलेज), रजत - संध्या (सीबी गुप्ता कॉलेज), काँस्य- साक्षी (हीरालाल यादव कॉलेज). पंजा कुश्ती सीनियर : स्वर्ण - करण राजपूत (सीबी गुप्ता कॉलेज), रजत - अंशुल ठाकुर (सीबी गुप्ता कॉलेज), काँस्य- आर्यन मिश्रा (स्टडी हॉल) पंजा कुश्ती बालिका सीनियर : स्वर्ण - भूमिका पुनिया (नवयुग), रजत - प्रिया रानी (डी ए वी), काँस्य- झानवी (सीबी गुप्ता कॉलेज) पंजा कुश्ती जूनियर बालक : स्वर्ण- विशाल (पायनियर), रजत - दिव्यांशु पाण्डेय (सैनिक इंटर कॉलेज), काँस्य- उदयराज (आशीर्वाद कॉलेज)

पंजा कुश्ती बालक बायां हाथ : स्वर्ण - अनुभव सिंह (आशीर्वाद कॉलेज), रजत - आर्यन मिश्र (स्टडी हॉल), काँस्य- सतीश यादव (डी ए वी) रस्साकसी सीनियर बालक : विजेता : (सीबी गुप्ता कॉलेज), उपविजेता - स्टडी हॉल, तृतीय- डी ए वी कॉलेज रस्साकसी जूनियर बालक - विजेता - बी के टी कॉलेज, उपविजेता - के वी कान्वेंट, तृतीय- क्रिऐटिव कान्वेंट रस्साकसी सीनियर बालिका - विजेता- डी ए वी कॉलेज, उपविजेता- स्टडी हॉल, तृतीय- (सीबी गुप्ता कॉलेज) रस्साकसी जूनियर बालिका - विजेता - दयानन्द कॉलेज, उपविजेता- बी के टी कॉलेज।

योगी सरकार की छात्रवृत्ति योजना ने 8 वर्षों में बदली छात्रों की तकदीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने बीते आठ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए लाखों छात्रों को वित्तीय संबल प्रदान किया है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अवसर मिले, इसके लिए सरकार पारदर्शी और डिजिटल तरीके से छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन कर रही है। प्रदेश के समाज कल्याण विभाग ने योगी सरकार की संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं का प्रभावशाली क्रियान्वयन आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए वरदान साबित हुआ है। बीते आठ वर्षों में कुल 1.79 करोड़ छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, जिससे वे अपनी शिक्षा को निर्बाध रूप से जारी रख पा रहे हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि प्रदेश में छात्रवृत्ति वितरण की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन कर दिया गया है। आधार, आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों का डिजिटल सत्यापन कर भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, जिससे वास्तविक जरूरतमंद छात्रों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। योगी सरकार ने समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है। इनमें अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के तहत 33.38 लाख छात्रों को लाभान्वित किया गया, जिस पर सरकार ने 699.26 करोड़ रुपये खर्च किए। इसी प्रकार,

सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को पूर्वदशम छात्रवृत्ति के रूप में 9.29 लाख छात्रों को 250.62 करोड़ रुपये प्रदान किए। इस तरह योगी सरकार ने इन आठ वर्षों में छात्रवृत्ति के माध्यम से गरीब छात्रों को 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की मदद पहुंचाकर उनके भविष्य को संवारा है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा, अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 88.61 लाख छात्रों को 8,350.12 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गई। वहीं, सामान्य वर्ग के छात्रों को दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत 48.09 लाख छात्रों को 5,428.18 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''डिजिटल इंडिया'' अभियान को और सशक्त बनाते हुए इन आठ वर्षों में छात्रवृत्ति के वितरण में डिजिटल प्रणाली को अपनाकर भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अब छात्र अपने आवेदन और भुगतान की स्थिति ऑनलाइन देख सकते हैं, जिससे उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। योजनाओं में योगी सरकार ने किए निरंतर सुधार राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार अनुसूचित जाति, जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है। छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठाने वाले छात्रों में से हजारों अब प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और पेशेवर संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना ने प्रदेश में शिक्षा का स्तर सुधारने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल, बालागंज इकाई के नव नियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बुधवार को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, बालागंज इकाई के तत्वावधान में बालागंज, जल निगम रोड पर स्थित एक कॉम्पलेक्स में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, बालागंज की नवगठित कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजन हुआ शपथ ग्रहण समारोह में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे तथा प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बालागंज के पदाधिकारियों को व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने की शपथ दिलाई शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा नवगठित इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारी संजय जैन को चेयरमैन, राहुल गुप्ता को अध्यक्ष, नवनीत दीक्षित को वरिष्ठ महामंत्री ,ज्ञान द्विवेदी को महामंत्री, मोनू यादव को कोषाध्यक्ष ,अमित वर्मा ,श्याम किशोर मौर्या, श्रीमती सूरजमुखी साहू, सत्यनारायण मिश्रा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के पद पर महेंद्र रस्तोगी, मोहम्मद इजरायल, सरवन कुमार रावत ,सुरेश मौर्या ,शिव कुमार जायसवाल, दिनेश रस्तोगी एवं संगठन मंत्री के पद पर श्रीमती अर्चना पाठक एवं हितेश जैन तथा मंत्री के पद पर सुनील गुप्ता ,आशुतोष गुप्ता, आशीष गुप्ता, राजू रस्तोगी ,पप्पू शर्मा, हरीश चंद्र मौर्य , मुरारी जी, रामनाथ मौर्या ,सुशील मौर्या संतोष रस्तोगी ,वीरेंद्र सोनी तथा मुकेश वर्मा प्रचार मंत्री पद की शपथ दिलाई गयी प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी तथा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने को कहा प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा मजबूत संगठन ही व्यापारियों का सुरक्षा कवच का कार्य करता है। उन्होंने कहा व्यापारी वर्ग, समाज का सर्वाधिक जिम्मेदार एवं भावुक वर्ग है उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल व्यापारियो के हितों की रक्षा के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। तथा प्रत्येक व्यापारी के हित की रक्षा करना संगठन की प्राथमिकता है उन्होंने कहा मजबूत संगठन के माध्यम से ही व्यापारियों की समस्याओं का समाधान हो सकता है उन्होंने व्यापारियों को जागरूक करते हुए कहा व्यापार के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य की भी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा आदर्श व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी व्यापारियों के साथ कंधे-से कंधा मिला कर चलें निश्चित रूप से सभी का मान सम्मान बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

अवैध संबंध के चलते सर्राफा व्यापारी का मर्डर ब्याज के बदले शरीरिक संबंध बनाने का दबाव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चौक इलाके से लापता सर्राफा व्यापारी की हत्या कर दी गई। सर्राफा व्यापारी का शव रविवार दोपहर बैला पुल के पास सड़क किनारे मिला। शव सड़ जाने की वजह से पहचान नहीं हो सकी। मंगलवार को परिवार ने मॉर्च्युरी पहुंचाकर शव की शिनाख्त की। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मृतक के सीने और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान मिले हैं।पुलिस जांच में ब्याज पर रखे जेवर के बदले महिला को शारीरिक संबंध के लिए मजबूर करने की बात सामने आई है। रूप नारायण सोनी (65) चौक के डहला कुंआ कॉलोनी निवासी थे। बेटे नीलेश ने बताया-दुबग्गा सीते विहार कॉलोनी में पवन ज्वैलरी शॉप में गहने बनाने के साथ बिक्री भी करते थे। 18 मार्च को सुबह 10 बजे रूप नारायण घर से दुकान जाने की बात कहकर निकले थे। देर रात होने पर वापस नहीं लौटे तो उनके मोबाइल पर कॉल की गई। तो मोबाइल स्विच ऑफ आया। परिवार ने सोचा कि दुबग्गा में रहने वाली बहन के घर पर रुक गए होंगे। अगले दिन बहनोई नागेंद्र कुमार सोनी को कॉल की। नागेंद्र भी चौक में सर्राफा व्यापारी हैं। नागेंद्र ने बताया कि रूप नारायण घर नहीं आए थे। इसके बाद पूरा परिवार तलाश करने लगा। कुछ पता न चलने पर 19 मार्च को चौक में गुमशुदगी दर्ज कराई। रविवार को दोपहर शव की पहचान न होने पर अज्ञात में शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया। मंगलवार को परिवार मॉर्च्युरी पहुंचकर कंठी माला, जनेऊ और नेकर के जरिए शव की पहचान की है। रूप नारायण के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। परिजनों ने ईंट से कूचकर हत्या करने की आशंका जताई है। बेटे ने चौक थाने में हत्या की तहरीर दी है। रूप नारायण के परिवार में बड़ाबेटा शशिकांत, निलेश, बहु पूजा, पोता पवन, शुभम हैं। निलेश आर्टिफिशियल ज्वैलरी कारीगर है और शशिकांत यहियागंज में स्थित एक दुकान में काम करता है। मामले में पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। रूपनारायण के पास रखे मुख्य आरोपी के मौसेरी बहन के जेवर गिरवी रखे थे। ब्याज के बदले मौसेरी बहन से शारीरिक संबंध बनाने दबाव बना रहा था। जिसकी वजह से उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद मृतक के पास से दुकान की चाबी लेकर जेवर चुराए गए। दामाद ने बताया कि रूप नारायन रात करीब 8 बजे तक घर लौट आते थे। घर न लौटने पर अगले दिन खोजते हुए दुकान पहुंचे। तो देखा दुकान का आधा शटर खुला हुआ था और चाभी लगी थी। दुकान में रखे जेवर और सामान गायब था। दुकान में करीब 20 लाख का जेवर रखा था। अन्य दुकानदारों ने बताया कि 18 मार्च की शाम करीब 7 बजे रूप नारायन दुकान बंद करके चले गए थे। बुजुर्ग के गायब होने के बाद से परिवार उनकी तलाश कर रहा था। इस दौरान दो बार मॉर्च्युरी भी आया। लेकिन कुछ पता नहीं चला। सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए उन्हें मड़ियांव इलाके में बुजुर्ग के शव मिलने की सूचना मिली थी। कई दिनों पुराना होने की वजह से शव फूल गया है। शव देखकर आशंका जताई जा रही है कि बुजुर्ग की करीब एक हफ्ते पहले हत्या की गई है।

ईद पर दी जा रही भाजापा की सौगात-ए-मोदी किट सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ : मायावती

लखनऊ। भाजपा ईद के मौके पर असहाय परिवारों को सौगात-ए-मोदी किट पहुंचा रही है। इस पर भी सियासत तेज हो गई है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने इसे राजनीतिक स्वार्थ बताया है। बसपा प्रमुख ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें लिखा है कि भाजपा का ईद, बैसाखी, गुड फ्राइडे, ईस्टर पर 32 लाख गरीब अल्पसंख्यक परिवारों तक 'सौगात-ए-मोदी' के रूप में प्रधानमंत्री का यह प्रेम संदेश व भेंट पहुंचाने की घोषणा केवल इनका राजनीतिक स्वार्थ हैं। जब मुस्लिम व बहुजन समाज जान-माल, मजहब की सुरक्षा को लेकर दुखी व चिन्तित तो इसका क्या लाभ? जबकि बेहतर होता, अगर भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकारें मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के कुछ गरीब परिवारों को यह सौगात-ए-मोदी देने की बजाय, उनकी गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ापन आदि को दूर करने के लिए रोजगार की स्थायी व्यवस्था करती व उनकी सुरक्षा पर भी उचित ध्यान देती।

सीएम आवास पर अचानक घुसे एनएसजी कमांडो

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर बुधवार सुबह अचानक एनएसजी कमांडो दौड़ते हुए उनके घर में घुसे। चारों तरफ भारी भीड़ का रही। भीड़ के बीच सनसनाती हुई एंबुलेंस आई और रुक गई। ये सब सीएम योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा जांचने के लिए कमांडो की टीम ने उनके आवास पर मॉक ड्रिल की। यह मॉकड्रिल 5 कालीदास मार्ग लखनऊ स्थित घर पर की गई। इसमें सुरक्षाकर्मी, ड्राइवर और एनएसजी के कमांडो शामिल रहे। साथ ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। इसी बीच एंबुलेंस और फायर डिपार्टमेंट को भी बुलाया गया। 11.49 बजे एंबुलेंस रवाना हुई। महज 1 मिनट में 11.50 पर सिविल अस्पताल पहुंच गई। मॉकड्रिल के दौरान एनएसजी कमांडो और पुलिस बल तैनात किए गए। सुरक्षा घेरे की मजबूती, मेडिकल इमरजेंसी में त्वरित प्रतिक्रिया और सीएम को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का अभ्यास किया गया। सिविल अस्पताल में पहुंचने के बाद एक स्ट्रेचर पर व्यक्ति को लिटाकर इमरजेंसी मेडिकल प्रोटोकॉल का रिहर्सल किया गया। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने तेजी से प्रतिक्रिया देने और प्राथमिक इलाज का अभ्यास किया। मॉकड्रिल के दौरान फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम को भी अलर्ट रखा गया। इस दौरान संभावित आतंकी हमले या सुरक्षा उल्लंघन की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया को परखा गया। सिविल अस्पताल में एंबुलेंस 1 मिनट के लिए रुकी, जहां मेडिकल टीम ने स्थिति को परखा और फिर काफिला वापस लौट गया। इस मॉकड्रिल का उद्देश्य किसी भी आपातकालीन स्थिति में मुख्यमंत्री की सुरक्षा को मजबूत करना और संभावित खतरों का आकलन करना था।

सरसंघचालक डा. भागवत एवं सरकार्यवाह होसबाले अप्रैल में रहेंगे यूपी के प्रवास पर

- असंग साहब से मिलने आठ अप्रैल को लखीमपुर जायेंगे सरसंघचालक डा. मोहन भागवत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन राव भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले अप्रैल माह में उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। प्रतिनिधि सभा की बैठक के तुरंत बाद कार्य विस्तार की दृष्टि से संघ के दोनों शीर्ष पदाधिकारियों के उत्तर प्रदेश दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। दोनों पदाधिकारियों के अलग-अलग विभागों में कार्यक्रम तय हैं। सरसंघचालक डा. भागवत आठ अप्रैल को लखीमपुर के मुस्तफाबाद स्थित कबीर धाम आश्रम जायेंगे। वहां पर वह राष्ट्रीय संत असंग साहब के सत्संग में शामिल होंगे और उनका आशीर्वाद लेंगे। इसके अलावा डा. मोहन भागवत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। लखीमपुर प्रवास के दौरान सरसंघचालक के नैमिषारण्य भी जाने की संभावना है। संघ के प्रान्त कार्यवाह प्रशान्त शुक्ला ने बताया कि अभी फिलहाल कबीर धाम आश्रम का ही कार्यक्रम तय हुआ है। सरसंघचालक डा. मोहन भागवत 17 अप्रैल से 21 अप्रैल तक अलीगढ़ के प्रवास पर रहेंगे। सरसंघचालक के आगमन की तैयारियां मथुरा रोड स्थित गांव सिंघारपुर में बने केशव सेवा धाम में शुरू हो गईं हैं। ब्रज प्रांत में मोहन भागवत के आगमन को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। केशव धाम में बने छात्रावास में पूर्वोत्तर के 60 छात्र रहते हैं। सरसंघचालक पूर्वोत्तर के छात्रों से संवाद भी करेंगे। यहां पर रहने वाले सभी छात्र केशव सेवा धाम के निकट स्थित सीबी गुप्ता विद्यापीठ में पढ़ते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले दो दिवसीए प्रवास पर लखनऊ आ रहे हैं। सरकार्यवाह का प्रवास पूर्णतया संघ कार्य के विस्तार तथा सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित रहेगा। दत्तात्रेय होसबाले 20 अप्रैल को स्मृति उपवन में शाखा टोली के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। वहीं 21 अप्रैल को प्रान्तीय व क्षेत्रीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी कार्ययोजना को अंतिम रूप देंगे। सरकार्यवाह के लखनऊ आगमन को लेकर शाखा स्तर पर तैयारियों शुरू हो गयी हैं। बंद पड़ी शाखाओं को फिर से प्रारम्भ किया जा रहा है। वहीं जिन बस्तियों में शाखा नहीं है, वहां पर शाखा शुरू की जा रही हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर गया है। इसलिए डा. भागवत के दौरे को खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस चौकी में इफ्तार पार्टी, नपे दारोगा जी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मेरठ में नई बनी पुलिस चौकी में इफ्तार देना दारोगा को भारी पड़ गया। पुलिस चौकी में रोजा इफ्तार करने वाले चौकी इंचार्ज शैलेंद्र प्रताप सिंह को एसएसपी ने लाइन हाजिर कर दिया है। मेरठ के एसएसपी डॉ विपिन ताडा ने चौकी इंचार्ज के खिलाफ यह कार्रवाई की है। मामला मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र का है। यहां पर बीते दिनों पुलिस चौकी में रोजा इफ्तार पार्टी हुई थी। चौकी इंचार्ज शैलेंद्र प्रताप सिंह ने मुस्लिमों को दावत दी थी। इफ्तार पार्टी में क्षेत्र के कई प्रभावशाली और सामाजिक लोगों ने हिस्सा लिया था। पुलिस चौकी में रोजा इफ्तार पार्टी करने की फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हुई,जिसके बाद मेरठ के पुलिस हलके में हड़कंप मच गया। चौकी इंचार्ज ने अधिकारियों को जानकारी दिए बिना चौकी में इफ्तार पार्टी की थी, जिसके बाद मेरठ के एसएसपी डॉ विपिन ताडा ने चौकी प्रभारी शैलेंद्र प्रताप सिंह को लाइन हाजिर कर दिया।

टीबी, एचआईवी और वायरल हेपेटाइटिस कार्यक्रमों में बढ़ाएं समन्वय : रविंद्र कुमार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (यूपीसैक्स) के अपर परियोजना निदेशक रविंद्र कुमार ने कहा कि टीबी, एचआईवी और वायरल हेपेटाइटिस कार्यक्रमों में समन्वय बहुत जरूरी है। प्रदेश ने 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान में पूरे देश में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसी तरह अगर हम सब समन्वय बनाकर काम करें तो टीबी के साथ एचआईवी को भी काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। अपर परियोजना निदेशक यूपीसैक्स और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को एक होटल में दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिला क्षय अधिकारी (डीटीओ) प्रतिभाग कर रहे हैं। मुख्य अतिथि रविंद्र कुमार ने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में टीबी का जोखिम अधिक होता है, जिससे समय पर इलाज न मिलने पर स्थिति गंभीर हो सकती है। एनएसीपी-5 के तहत नए संक्रमण और एड्स से मृत्यु दर को 80 प्रतिशत तक कम करना हमारा लक्ष्य है, जिसे प्रभावी रणनीति और ज़मीनी कार्यान्वयन से हासिल किया जा सकता है। स्टेट टीबी अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने सभी डीटीओ को संबोधित करते हुए कहा कि 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान में उत्तर प्रदेश ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, इसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं। प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार मिलना हम सब की जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। अब हमें उन कमियों पर काम करना है जो छूट गई थीं। हमारा लक्ष्य 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाना है और इसे साकार करने के लिए हर स्तर पर प्रभावी प्रयास जरूरी हैं। इसी दिशा में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भी महत्वपूर्ण कदम है। स्टेट सर्विलांस अफसर एवं संचारी रोग नोडल डॉ. विकासेंदु अग्रवाल ने कहा कि जिलास्तर पर जब भी स्वास्थ्य कैंप आयोजित हों तो वहां आने वाले मरीजों की टीबी, एचआईवी और वायरल हेपेटाइटिस की जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जा सके। कार्यशाला के पहले दिन 36 डीटीओ ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य एचआईवी और टीबी नियंत्रण कार्यक्रमों के बीच समन्वय को मजबूत करना और जिलास्तर पर एड्स नियंत्रण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। इस दौरान अधिकारियों ने यूपीसैक्स और पीएचएफआई टीम के प्रतिनिधियों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

वकील को शराब में पेशाब मिलाकर पिलाया सिर पर किया हमला सोने की चेन लूटी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में एक वकील को जबरन शराब पिलाई गई। वकील के जब इसका विरोध किया तो गिलास में पेशाब भरकर पिला दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने बचाया। पुलिस मुकदमा दर्ज करके जांच कर रही है। पीड़ित वकील शिवपुरी चौकी जलालपुर पारा के धीरसेन भट्ट हैं। धीरसेन ने बताया कि उनके क्लाइंट देवपुर पारा निवासी विनोद कुमार ने होली मिलने के लिए घर बुलाया। रात करीब 9 बजे उनके घर पहुंचे तो क्लाइंट ने बाहर बने ऑफिस में उन्हें बिठाया।बताया कि कुछ देर बाद देसी शराब के डिब्बे लाकर रख दिए। इस पर उन्होंने शराब पीना बंद करने की बात कही। इस पर डिब्बा फाड़कर गिलास में डाल दिया और जबरदस्ती पिला दी। तभी धीरसेन की नजर उनके दरवाजे पर लगी नेम प्लेट पर पड़ी। जिस पर बिना अनुमति के एडवोकेट धीरसेन का नाम लिखा था। अपने नाम की नेम प्लेट देखकर विरोध किया तो वहां मौजूद अन्य लोग मारपीट पर उतारू हो गए।

आपरेशन के दौरान मरीजों का तनाव कम कर रहा भक्ति संगीत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के शोधकर्ताओं के अध्ययन को अमेरिका के प्रतिष्ठित जर्नल ने दी जगह

लखनऊ। भक्ति संगीत आपरेशन के दौरान मरीजों का मानसिक तनाव और चिंता कम करने में प्रभावशाली होता है। यह निष्कर्ष योगी सरकार के 150 मरीजों पर कराए गए अध्ययन के बाद सामने आएं हैं। योगी सरकार के निर्देश पर झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अद्वितीय अध्ययन को अमेरिका से प्रकाशित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल क्यूरस ने प्रकाशित भी किया है।

हिंदू आध्यात्मिक संगीत सुनाकर मरीजों के तनाव और चिंता में आई कमीअध्ययन के अनुसार इन 150 मरीजों के अंगों की सर्जरी होनी थी। इन्हें दो समूहों में बांटा गया। एक समूह को आध्यात्मिक संगीत सुनाया गया। दूसरे समूह को मरीज के चुने गए वाद्य संगीत सुनाया गया। शोध में पाया गया कि जिन मरीजों ने हिंदू आध्यात्मिक संगीत सुना, उनमें तनाव और चिंता में उल्लेखनीय कमी पाई गई। ऑपरेशन के बाद जी मिचलाने और उल्टी की घटनाएं कम हुईं। मरीजों की संतुष्टि का स्तर अधिक रहा। सर्जरी के दौरान भी हृदय गति और रक्तचाप का नियंत्रण बेहतर रहा। तनाव के जैविक संकेतक जैसे कोर्टिसोल के स्तर में भी सकारात्मक गिरावट देखी गई। इससे सिद्ध होता है कि यह विधि केवल मानसिक नहीं, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

अपनी आस्था से गहराई से जुड़ जाता है मरीजशोध दल में महारानी लक्ष्मी बाई (एमएलबी) मेडिकल कालेज, झांसी के एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर अंशुल जैन के अलावा डॉ. बृजेन्द्र वर्मा, डॉ. पंकज सौनकिया, डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. पुष्पेन्द्र अग्रवाल (जालौन), डॉ. पारस गुप्ता (जालौन) और डॉ. चारु ठाकुर शामिल थे। उन्होंने बताया कि जब कोई मरीज तकलीफ में होता है तो वह अपनी आस्था से गहराई से जुड़ जाता है। ऐसे समय में आध्यात्मिकता, विशेष रूप से हिंदू धर्म में प्रयुक्त संगीत प्रभावी चिकित्सा हस्तक्षेप बन सकता है। क्लीनिकल ट्रायल्स रजिस्ट्री आफ इंडिया में भी है पंजीकृतएमएलबी के सर्जरी विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. पंकज सौनकिया ने बताया कि यह अध्ययन अंतरराष्ट्रीय शोध मानकों के अनुसार किया गया है, जिसमें संगीत को औपचारिक चिकित्सा इंटरवेंशन के रूप में उपयोग किया गया है। यह ट्रायल क्लीनिकल ट्रायल्स रजिस्ट्री आफ इंडिया में भी पंजीकृत है।

मरीजों को सुनाए गए प्रमुख भक्ति गीत

गण गणपतये नमः त्वमेव माता च पिता त्वमेव गायत्री मंत्र रघुपति राघव राजा राम महामृत्युंजय मंत्र ? जय जगदीश हरे हनुमान चालीसा (धीमी गति में) श्रीरामचंद्र कृपालु भजमन अच्युतं केशवं कृष्ण दामोदरं हरे राम हरे कृष्ण मंत्र।

किसान हितों से कोई समझौता नहीं करेगा रालोद: दुबे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे का आज बाराबंकी के अहमदपुर टोल प्लाजा के पास रालोद के जिलाध्यक्ष अखिलेश वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर श्री दुबे ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों से वार्ता क। किसानों और पार्टी जनों से संवाद करते हुये राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल मध्य, पूर्वांचल, बुंदेलखंड में जनाधार बढ़ाने खातिर भारत रत्न चौधरी चरण सिंह तथा चौधरी अजित सिंह के अनुयायियों और समर्थकों को जोड़ने का अभियान चला रहा है। विधानसभा चुनाव 2027 तक संगठन को चुस्त दुरुस्त करेगा। रालोद जिला पंचायत चुनाव लड़ेगा। राष्ट्रीय लोकदल किसानों के मान सम्मान और उनके हितों के लिए कोई समझौता नहीं करेगा ।किसानों की अनदेखी और अनसुनी बर्दाश्त नहीं कि जायेगी। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं सपा प्रमुख अखिलेश यादव तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के हिन्दी विरोधी रूख को अपना मत स्पष्ट करें कि तमिलनाडु में हिन्दी चाहते है या नहीं। राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह को प्रधानमंत्री ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, उन्हें कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा है तथा शिक्षा राज्य मंत्री का दायित्व दिया जिसके माध्यम से प्रदेश और देश में चौधरी जयन्त सिंह केन्द्र सरकार की योजनाओं को जमीन पर उतारने में लगे हैं। राष्ट्रीय लोकदल का मानना है कि गांव और किसान को समृद्ध करने के लिए गांव आधारित योजनाओं की श्रृंखला खड़ी करने के लिए कार्य किया जाए।

प्रदेश में सुशासन का राज स्थापित हुआ है: मंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा एवं सुशासन के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित मेला एवं प्रदर्शनी का उदघाटन राज्य मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग संजय गंगवार ने फीता काटकर किया। उदघाटन के उपरांत माननीय मुख्य अतिथि ने प्रेक्षागृह के परिसर में स्थापित प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। उनके द्वारा 10 दिव्यांगों को ट्राईसाईकिल वितरित की गयी जिसे पाकर दिव्यांगों के चेहरे पर खुशी आ गयी। इसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा 117 करोड़ की 67 निर्माण परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया। उन्होंने प्रेक्षागृह के द्वार के पास बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बनाई गयी रंगोली की सराहना की। प्रेक्षागृह के मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गयी। इसके उपरांत गणेश वंदना प्रस्तुत की गयी। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सनफरा स्कूल सांडी व जीतू छलिया के सांस्कृतिक कार्यक्रम की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में महाकुम्भ व प्रदेश सरकार की 8 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्में भी दिखायी गयीं। माननीय मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन में कहा कि पूर्व की सरकारें हमारी बहनों को एक शौचालय तक नहीं दे पायी। माननीय प्रधानमंत्री जी ने मातृ शक्ति की गरिमा का ध्यान रखते हुए घर घर शौचालय देने का कार्य किया। उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर आया है। कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हुई है। माफिया पर नकेल लगी है। राम मंदिर बनने से लोगों का इंतजार समाप्त हुआ है। माननीय न्यायालय के फैसले के बाद शांति बनी रही। गन्ना भुगतान की स्थिति बेहतर हुई है। प्रदेश में सुशासन का राज स्थापित हुआ है। आज प्रत्येक घर में गैस कनेक्शन है। प्रदेश की कानून व्यवस्था मॉडल बन चुकी है। गन्ना व चीनी उत्पादन में प्रदेश प्रथम स्थान पर है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। स्वास्थ्यए शिक्षा व खेल के क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि जनपद में अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार हुआ है। जनपद में 11 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाये गए हैं। 75 हजार से अधिक गोवंश का संरक्षण किया गया है। बड़ी संख्या में बड़ी संख्या में व्यक्तिगत शौचालय बने हैं। पीएम कुसुम योजना व प्रधानमंत्री फसल योजना से बड़ी संख्या में पात्रों को लाभान्वित किया गया है। जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वास्तव में बाबा साहब के सपनों को साकार किया। भारत तेजी से विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में माननीय मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने उत्कर्ष के 8 वर्ष नामक पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने पशु चिकित्सक व गोसेवक शेषमणि को सम्मानित किया गया। पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। उनके द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को टूल किटए प्रमाण पत्र व चेक वितरित किये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहतास कुमार, संयुक्त निदेशक कृषि डॉ नन्दकिशोर, डीएसटीओ राम प्रकाश, चेयरमैन हरदोई सुखसागर मिश्र मधुर, चेयरमैन बिलग्राम अनिल राठौर, अन्य जनप्रतिनिधि व सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए किये अभूतपूर्व कार्य: विधायक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। प्रदेश सरकार के श्सेवाए सुरक्षा एवं सुशासन के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में विधानसभा स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में विधानसभा बिलग्राम मल्लावां के बिलग्राम स्थित दुलारे गेस्ट हाउस में द्वितीय दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बिलग्राम मल्लावांआशीष सिंह आशू रहे।

कार्यक्रम में सेवायोजन एवं श्रम विभाग द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया गया दो कंपनियां द्वारा 18 से अधिक हाईस्कूल पास युवकों का पंजीकरण कराया गया। विधायक ने दिव्यांग जनों को ट्राईसाइकिल वितरित की। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। गरीबों के जीवन स्तर को उठाने के लिए बहुत सी योजनाएं चलाई गई हैं। उप जिलाधिकारी बिलग्राम पूनम भास्कर ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का आभार जताया। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारी व स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला के अंडाशय से निकाला 6 लीटर तरल सिस्ट, डॉक्टरों ने बचाई प्रजनन क्षमता

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में एक दुर्लभ सर्जरी ने चिकित्सा जगत में नई मिसाल कायम की है। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉण् मधुलिका शुक्ला ने 29 वर्षीय महिला के अंडाशय से 6 लीटर तरल भरा सिस्ट सफलतापूर्वक निकाला। बेनीगंज, कोथावा की रहने वाली शांति पिछले तीन महीनों से पेट में भारीपन महसूस कर रही थीं। सांस लेने में तकलीफ होने पर जब वह अस्पताल पहुंचीं, तो सीटी स्कैन में 25 सेमी ग 25 सेमी का विशाल सिस्ट पाया गया। डॉ० मधुलिका शुक्ला के नेतृत्व में टीम ने बेहद सावधानी से सर्जरी की। सिस्ट को बिना अंडाशय को नुकसान पहुंचाए निकाला गया। यह मामला इसलिए भी विशेष था क्योंकि इतना बड़ा सिस्ट एक अविवाहित महिला में मिलना बेहद दुर्लभ है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ० जे.बी. गोगोई और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ० सुबोध कुमार ने इस सफलता पर पूरी टीम को बधाई दी। इस सर्जरी ने हरदोई मेडिकल कॉलेज की चिकित्सकीय क्षमताओं को साबित किया है। मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है और उनकी प्रजनन क्षमता भी सुरक्षित रह गई है।

बच्चा चोरी गिरोह का भंडाफोड़

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पुलिस ने बच्चा चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह की दो महिला सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आंध्र प्रदेश की मोडावती शारदा और ओडिशा की सविता ठाकुर को 'ऑपरेशन स्माइल' अभियान के तहत पकड़ा गया है। घटना 21 फरवरी 2025 की है। हरदोई के अतरौली थाना क्षेत्र के गौरीकला गांव में एक शादी समारोह से तीन साल का रितिक गायब हो गया था। पुलिस ने मोबाइल सर्विलांस और साक्ष्यों के आधार पर अभय वर्मा और उमाशंकर को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह हरदोई और सीतापुर समेत कई जिलों से बच्चों की चोरी करता था।

बहला-फुसलाकर करते थे अगवा:- पुलिस ने 19 मार्च 2025 को हरदोई के रितिक और सीतापुर के आर्यन को सकुशल बरामद कर लिया है। दोनों बच्चे अब अपने परिवार के साथ हैं। गिरोह की कार्यप्रणाली बेहद संगठित थी। शादी समारोह और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बच्चों को बहला. फुसलाकर अगवा किया जाता था। फिर बच्चों की तस्वीरें सोनिया उर्फ सुनीता को भेजी जाती थीं। **अन्य सदस्यों की तलाश:-** वह इन्हें आगे 5.5 लाख रुपये में बेचने का काम करती थी। इससे पहले गिरोह के पांच सदस्य जेल जा चुके हैं। इनमें अभय वर्मा, उमाशंकर, सोनिया उर्फ सुनीता, पठान मुमताज और बिक्कोल बिजली शामिल हैं। पुलिस अभी भी गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

आग से गृहस्थी जल कर हुई खाक

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना क्षेत्र के दहेलिया गांव ने निवासी बृजलाल पुत्र रामदयाल के घर में रखे छप्पर में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई।आसपास के ग्रामीण जब तक कुछ जान पाते तब आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आने छप्पर के नीचे रखा चारपाई सहित गृहस्थी का सामान कपड़ा आदि जलकर राख हो गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू तथा घटना की जानकारी राजस्व व पुलिस विभाग को दी गई है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

जागरूक किया

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और यातयात नियमो के प्रति जागरूकता फैलान के उद्देश्य से हरपालपुर पुलिस द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कर्मियों ने लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया और हेलमेट पहनने को अनिवार्यता पर जोर दिया। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट जीवन रक्षा का एक महत्वपूर्ण साधन है।और सभी को इसे नियमित रूप से पहनना चाहिए। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने उपस्थिति नागरिकों से अपील कि वे यातायात के नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कर्मचारी संघ के मंडल मंत्री को किया गया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिले के जाने.माने समाजसेवी एवं कर्मचारी संघ के मंडल मंत्री रामदास गुप्ता को पीडब्ल्यूडी कार्यालय में उनके अच्छे कार्य के लिए सम्मानित किया गया। समाज सेवा एवं गरीबों को चाय बिस्कुट खिलाकर सेवा करना उनकी दिनचर्या में शामिल है। अब तक उन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगभग 20 अवार्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें यह सम्मान प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार मंत्री असीम अरुणए जिला अधिकारी मंगला प्रसाद एवं पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन और भाजपा जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में दिया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद अंशुल वर्मा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा 'मधुर'', जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा उपस्थित रहे।

तहसील में चल रहे त्रिदिवसीय समारोह में गोद भराई व अन्न पराशन का कार्यक्रम सम्पन्न

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा और सुशासन के आठ वर्ष पूर्ण होने पर तहसील प्रांगण में त्रिदिवसीय समारोह के दूसरे दिन बुधवार को एसडीएम द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व 6 माह पूर्ण कर चुके बच्चों का आन्नपराशन किया गया।आपको बता दें उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा सुरक्षा और सुशासन के आठ वर्ष पूर्ण होने पर शासन के निर्देश पर तहसील और ब्लॉक स्तर पर त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह के दूसरे दिन बुधवार को दोपहर तीन बजे तक गर्भवती और स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को गोद भराई योजना के रूप में मनाया गया। एसडीएम डाक्टर दीक्षा जोशी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्री राममूर्ति के क्षेत्र की महिला रामेश्वरी को गोद भराई में पोषण किट प्रदान की। वैसे तो आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रत्येक माह की 19 तारीख को 6 माह के बच्चों का अन्नप्राशन करवाए जाने के शासन के निर्देश हैं। एसडीएम श्रीमती जोशी ने आंगनवाड़ी जानकी देवी के क्षेत्र की 6 माह की बच्ची देविका और 6 माह के बच्चे रचित को खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन कार्यक्रम किया। इससे बच्चों के कुपोषण को रोकने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर तहसील कर्मचारी और आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रहीं।

न्यायलय के आदेश पर जानलेवा हमलावरों पर दर्ज हुई रिपोर्ट

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर के मजरा मगनपुर में 14 अक्तूबर को जानलेवा हमला कर एक बुजुर्ग को गंभीर घायल करने के मामले में न्यायालय के आदेश पर 6 माह बाद आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू की है। पीड़ित गुड्डू पुत्र पहाड़ी के अनुसार उसके पिता कुरकुरे बेचने का कार्य करते हैं 14 अक्तूबर की शाम को 7 बजे उसकी पुत्री को दरवाजे के सामने रास्ते में उल्टी हो गई गांव के विपक्षी रामजीत पुत्र छैल कुमार का पैर उस उल्टी पर पड़ गया।जिससे उसकी पुत्री को विपक्षी रामजीत मारने पीटने लगा। तब तक उसके पिता भी फेरी से लौट आए उन्होंने मना किया तो विपक्षी ने अपने भाई अमर सिंहएअनूप और मां प्रेम कुमारी के साथ लाठी डंडों और बांके से मारपीट कर घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची 112 पीआरबी ने उसके पिता को सीएचसी टोडरपुर में भर्ती करवाया। हालत गंभीर होने पर ट्रामा सेंटर हरदोई रेफर किया गया। जहां काफी इलाज के बाद उसके पिता स्वस्थ हो सके। उसने बेहटा गोकुल पुलिस को कई प्रार्थना पत्र दिए लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई।न्यायालय के आदेश पर बेहटा गोकुल पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चचेरे भाइयों पर लगाया पिटाई का आरोप

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बबुराई निवासी महिला ने मोहल्ले के दो चचेरे भाइयों पर ट्रैक्टर से उसके सहन का चबूतरा तोड़ने का विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़िता नन्ही देवी पत्नी रामसिंह के अनुसार बुधवार को सुबह दस बजे गांव निवासी अनिल पुत्र श्रीकृष्ण ने ट्रैक्टर से उसके सहन का चबूतरा तोड़ दिया उसने मना किया तो विपक्षी ने उसे लात घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर उसकी पुत्री कंथा उसे बचाने आई तो विपक्षी ने उसे भी मारा पीटा। पति घटना की शिकायत लेकर आरोपी के घर गया तो विपक्षी ने अपने चचेरे भाई धर्मपाल पुत्र रामप्रकाश और अन्य लोगों के साथ मिलकर उसके पति को मारपीट कर घायल कर दिया।कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फर्जी एलआईसी एजेंट बन कर ठगे दस हजार

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला महुआ टोला निवासी युवक से फर्जी एलआईसी एजेंट बनकर दस हजार रुपए ठग लेने का मामला प्रकाश में आया है।पीड़ित ने आरोपी के विरुद्ध प्रार्थना पत्र दिया है। पीड़ित गुलफाम खां पुत्र समीर खां ने बताया कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दिलेरगंज निवासी कपिल गुप्ता ने फर्जी एलआईसी एजेंट बनकर उसे एक टर्म प्लान समझाया और उसके घर से दस हजार किश्त के लिए ले गया। उसने आरोपी से रसीद मांगी तो वह टाल मटोल करने लगा। बुधवार को वह एलआईसी जाकर मैनेजर से मिला तो मालूम चला उसके नाम से कोई पैसा एलआईसी में जमा नहीं किया गया है।पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को आरोपी के विरुद्ध लिखित प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मझिला थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी से दुष्कर्म किए जाने के मामले में थाना पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार बुधवार को किशोरी के पिता द्वारा थाना मझिला पर तहरीर दी गयी कि विशाल पुत्र फूल चन्द्र निवासी ग्राम कैमी थाना मझिला द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री के साथ गलत कार्य किया गया। इस संबंध में थाना मझिला पर नामजद आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई।थाना मझिला के प्रभारी निरीक्षक उमाकांत दीपक और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना पुलिस ने मैडिकल परीक्षण के बाद गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

टैबलेट व प्रशस्ति पत्र पाकर छात्र.छात्राओं के खिले चेहरे

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ब्लॉक टोंडरपुर क्षेत्र के राजेंद्र सिंह फार्मेसी ऑफकॉलेज मे छात्रए छात्राओं को टैबलेट व प्रशिस्त पत्र वितरित किये गये।प्रशिस्त पत्र व टैबलेट पाकर छात्र.छात्राओं के चेहरे खिल उठे एजिसमें मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्याम बाबू त्रिवेदी ने कहा कि छात्र.छात्राएं टैबलेट के जरिए तकनीकी से जुड़कर अपनी शिक्षा व देश दुनिया की तमाम खबरों से जुड सकें। राजेंद्र सिंह कॉलेज आफ फार्मेसी में 33 छात्र .छात्राओं को टैबलेट व प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया। कॉलेज के प्रबन्धक नरेश पाल सिंह ने कहा कि युवाओं के सपने भाजपा सरकार में पूरे हो रहे है। भाजपा ने जो वादे किए हैं।सभी को पूरा किया जा रहा है। छात्र.छात्राओं के भविष्य को लेकर सरकार पूरी तरीके से सजग है।खंड विकास अधिकारी टोडरपुर सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा, एकजुट होकर लड़ें

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गांधी भवन में होली मिलन कार्यक्रम के दौरान भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है।

टिकैत ने कहा कि किसानों को अब हिंदू.मुस्लिम के नाम पर बांटा जा रहा है। उन्होंने सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया। उनका कहना था कि इससे देश के किसानों को नुकसान हो रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद किसानों ने टिकैत के विचारों का समर्थन किया। किसानों का कहना था कि सरकार की नीतियां किसान विरोधी हैं। वे अब संगठित होकर इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। किसान नेताओं ने एमएसपी की गारंटी की मांग की। साथ ही बिजली दरों में राहत और फसलों की सही कीमत की मांग भी रखी। किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगीए आंदोलन जारी रहेगा। किसानों को संगठित रहने का दिया संदेश। टिकैत ने किसानों को संगठित रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष का समय है। अन्य किसान नेताओं ने भी सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने किसानों से अपनी ताकत दिखाने का आह्वान किया।

एक रात में चार घरों में चोरी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कछौना क्षेत्र में चोरों ने बीती रात बड़ी वारदात को अंजाम दिया। कलौली और हरिचंदपुर गांव में चार घरों को निशाना बनाकर लाखों की नकदी और गहने चोरी कर लिए गए। चोरी का शिकार हुए परिवारों में चंद्रपालए शिव बाबूए छत्रपाल और बेचेलाल शामिल हैं। सुबह जब लोगों ने घरों में सामान बिखरा देखा तो चोरी का पता चला। घटना की सूचना मिलते ही सीओ बघौली प्रवीण कुमार यादव मौके पर पहुंचे। कछौना थाना पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए विशेष टीम बनाई है। टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। ग्रामीणों में चोरी की इन घटनाओं से दहशत का माहौल है। उनका कहना है कि पुलिस गश्त कम होने से चोर बेखौफ हो गए हैं। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने जल्द ही वारदात का खुलासा करने का आश्वासन दिया है। फिलहाल जांच जारी है।

प्रारूप संख्या-3

न्यायालय श्रीमान न्यायाधिकारी महोदय, ग्राम न्यायालय सवायजपुर जनपद हरदोई

याचिका संख्या- 1230/22 वर्ष 20.....

नया वाद सं0- 05/24, वाद अन्तर्गत धारा-144BNSS

याची- 1. श्रीमती नजमा पत्नी मोहम्मद इखलाक पुत्री श्री जाकिर व इनायत पुत्री मो0 इखलाक संरक्षिका माता स्वयं श्रीमती नजमा, वर्तमान पता- ग्राम ककरा, थाना हरपालपुर, जनपद हरदोई ..... **याचीगण**

याची श्रीमती नजमा आदि

बनाम

प्रत्युत्तरदाता:- मो0 इखलाक पुत्र मुशर्रफ, निवासी-मोहल्ला पठनऊटोला, कस्बा-याकूतगंज थाना कोतवाली फतेहगढ़, जनपद-फर्रुखाबाद, मो0 9621449895 ..... **विपक्षी**

महोदय,

चूँकि उक्त नामित याची ने आपके विरूद्ध याचिका संस्थित किया है। जैसा कि याचिका में वर्णित है। आपके एतद् द्वारा इस न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आप पर इस समन की तामीली से तीन सप्ताह के भीतर न्यायालय की अनुमति से वकालतनामा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है। और चूँकि वाद 04.04.2025 के 10 बजे दिन को न्यायाधीश के समक्ष निर्देश के लिए रखा जाएगा,

इसलिए आपको एतद्द्वारा 04.04.2025 के 10 बजे दिन दोपहर से पूर्व 11:00 बजे याची के दावा का उत्तर देने के लिए न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित के लिए समन किया जाता है और यह और सूचना ग्रहण कीजिए कि यदि आप अपनी व्यक्तिगत उपस्थित या वकालतनामा में असफल जैसा कि ऊपर निर्देश दिया गया है या यदि आप पूर्व वर्णित दिन को न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित रहने में असफल रहते है तो याचिका को उस दिन किसी पश्चात्वर्ती दिन को अप्रतिरक्षित रूप में अमान्य किये जाने का आदेश दिया जा सकता है। और आप अपने विरूद्ध डिक्री या आदेश पारित किये जाने के लिए दायी होंगे।

यह .....2023.....के.....दिन को पूर्वोक्त.....प्रमुख न्यायाधीश से.....लिखा गया।

मुहर

न्यायालय न्यायाधिकारी, ग्राम न्यायालय सवायजपुर जनपद हरदोई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै हरिशंकर पुत्र स्व0 जगन्नाथ, पता:- ग्राम सरफुद्दीनपुर, पोस्ट-सेलापुर, थाना मल्लावाँ, तहसील बिलग्राम, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरा पुत्र प्रबल शर्मा व उसकी पत्नी श्रीमती आरती शर्मा व अपनी पौत्री कृतिका शर्मा पुत्री प्रबल शर्मा जिनका आचरण ठीक नहीं है। प्रबल शर्मा शराब का आदी है और कई बार अभद्रता भी कर चुका है जिस कारण मै तीनो के आचरण से दुखी हूँ। जिससे क्षुब्ध होकर मैने अपने पुत्र प्रबल शर्मा व उसकी पत्नी श्रीमती आरती शर्मा व अपनी पौत्री कृतिका शर्मा पुत्री प्रबल शर्मा को उसके गलत चाल-चलन, व्यवहार व आचरण दूषित होने के कारण सम्बन्ध विच्छेदन कर लिए है और अपने पुत्र प्रबल शर्मा व उसकी पत्नी श्रीमती आरती शर्मा व अपनी पौत्री कृतिका शर्मा पुत्री प्रबल शर्मा को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अब भविष्य में मेरे पुत्र प्रबल शर्मा व उसकी पत्नी श्रीमती आरती शर्मा व अपनी पौत्री कृतिका शर्मा पुत्री प्रबल शर्मा द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों का कोई सरोकार नहीं होगा, वह स्वयं ही जिम्मेदार होगें।

कार्यालय ग्राम पंचायत-शाहपुर शुक्ला, विकास खण्ड-पिहानी, जनपद-हरदोई

पत्रांक - मेमो/मनरेगा/2024-25 दिनाँक-26.03.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत-शाहपुर शुक्ला, विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई द्वारा मनरेगा आयोग से कराए जाने वाले निम्न लिखित कार्यो पर सामग्री (सीमेंट, मौरंग, लोकल बालू, इण्टरलॉकिंग ईट, रोड़ा, पत्थर गिट्टी, ईट प्रथम आदि) आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनाँक-27.03.2025 से 31.03.2025 को 02:00 बजे तक पंचायत भवन से प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक-31.03.2025 को समिति द्वारा सायं 03:00 बजे पंचायत भवन में खोली जाएगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू.)
1	संजय के मकान से गंगाधर के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	392204.00
2	कामता के मकान से राज कुमार के मकान तक नाली व इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	558574.00
3	कमलेश के मकान से राम शंकर के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य।	697998.00

नोट-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

(आरती शुक्ला)
प्रधान
ग्राम पंचायत-शाहपुर शुक्ला,
विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई

(ब्रजपाल यादव)
ग्राम पंचायत अधिकारी,
ग्राम पंचायत-शाहपुर शुक्ला,
विकास खण्ड-पिहानी, हरदोई

कार्यालय ग्राम पंचायत-महीनकुंड, विकास खण्ड-अहिरोरी, जनपद-हरदोई

पत्रांक- मेमो/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/2024-25 दिनाँक-26.03.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत-महीनकुंड, विकास खण्ड-अहिरोरी, जनपद- हरदोई द्वारा राज्य वित्त / केन्द्रीय वित्त से कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्यो की सामग्री (सीमेण्ट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, रोड़ा, ईट प्रथम, इण्टरलाकिंग 80 एम. एम. आदि) आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनाँक-27.03.2025 से 29.03.2025 को 03:00 बजे तक प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक-29.03.2025 को समिति द्वारा सायं 04:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	सुमन के घर से डामर रोड तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	200000.00

नोट- नियम व शर्ते निम्नवत् है-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो / सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।
8- समस्त सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर की जाएगी।

प्रधान
ग्राम पंचायत-महीनकुंड,
विकास खण्ड- अहिरोरी, हरदोई

सचिव
ग्राम पंचायत-महीनकुंड,
विकास खण्ड- अहिरोरी, हरदोई

नगदी और न्याय

दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास के एक स्टोररूम से कथित रूप से बेहिसाब नगदी की बरामदगी ने देश के जनमानस व न्यायिक बिरादरी को झकझोरा है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की एक जांच समिति गठित की है। वहीं पारदर्शिता सुनिश्चित करने और गलत सूचनाओं को दूर करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक की है। इस रिपोर्ट ने निष्कर्ष दिया है कि पूरे मामले की गहन जांच की आवश्यकता है। ऐसा जरूरी भी था क्योंकि उच्च न्यायपालिका की ईमानदारी और विश्वसनीयता दांव पर है। हालांकि, न्यायाधीश ने दावा किया है कि उनके या परिवार के किसी सदस्य द्वारा स्टोर रूम में कभी कोई नकदी नहीं रखी गई थी। इस बयान ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। सवाल उठाया जा रहा है कि कड़ी सुरक्षा में रहने वाले सरकारी आवास में क्या बिना जानकारी के पैसा रखा जा सकता है? तो क्या किन्हीं आवासीय कर्मचारियों या बाहरी लोगों ने ऐसा कृत्य किया? यदि यह वास्तव में जज को फंसाने की सजिश थी, तो उसमें कौन लोग शामिल थे? निश्चित रूप से ऐसे सवालों का जवाब मिलने में विलंब से अविश्वास की धुंध और गहरी होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपनाए गए ऐतिहासिक- 'न्यायिक जीवन के मूल्यों का पुनर्कथन' में यह निर्दिष्ट किया गया था कि किसी न्यायाधीश द्वारा ऐसा कोई कार्य या चूक नहीं होनी चाहिए, जो उनके उच्च पद और उस पद के प्रति सार्वजनिक सम्मान के अनुरूप न हो।' निस्संदेह, न्यायपालिका में जनता के विश्वास को कम करने वाले किसी भी विवाद की गहरी जांच होनी चाहिए। साथ यह भी जरूरी है कि जांच निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूरी हो। वास्तव में सत्य, न्याय और न्यायिक जवाबदेही के हित में ऐसे मामलों में कार्यवाही को तेजी से आगे बढ़ाने का दायित्व अदालतों और जांच एजेंसियों का है। बहरहाल,शीर्ष अदालत ने विवादों में घिरे न्यायाधीश के प्रति सख्त रवैया अपनाते हुए उन्हें न्यायिक कामकाज से अलग रखने के निर्देश दिए हैं। सार्वजनिक विमर्श में उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट करने की चर्चा भी रही। इस मामले में शीर्ष अदालत ने जिस तरह तत्परता से कार्रवाई की और पारदर्शिता बनाये रखने के लिये कदम उठाए, उसे सराहा गया। यहां तक कि दिल्ली हाईकोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घटनाक्रम से जुड़े कॉल्स सुरक्षित रखने को कहा है। यहां तक कि अदालत ने पिछले छह माह के कॉल रिकॉर्ड भी पुलिस से मांगे हैं। वहीं दूसरी ओर शीर्ष अदालत ने पुलिस द्वारा रिकॉर्ड वीडियो, तस्वीरें व शुरुआती जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक विमर्श में ला दी है। निश्चित रूप से न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति से बेदाग होने की उम्मीद की जाती है। सोशल मीडिया पर इस प्रकरण से जुड़ी सामग्री के वायरल होने के बाद लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस मामले में निष्पक्ष जांच होगी, ताकि सच सामने आ सके। यदि कोई साजिश है तो उसका खुलासा हो और यदि नहीं तो न्यायिक व्यवस्था की शुचिता अक्षुण बनाये रखने के लिये सख्त कार्रवाई की जाए। यह एक हकीकत है कि अन्याय के विरुद्ध उम्मीद की अंतिम किरण लेकर व्यक्ति न्याय की चौखट पर दस्तक देता है। यदि ऐसे प्रकरण सच साबित होते हैं तो उसके विश्वास को धक्का लगेगा। निस्संदेह, न्याय व्यवस्था का सवालों के घेरे में आना एक गंभीर मुद्दा है। इस घटनाक्रम से न्याय व्यवस्था पर छींटे आए हैं, उन्हें साफ करना जरूरी है। आम लोगों को विश्वास है कि शीर्ष अदालत द्वारा गठित जांच समिति सच को सामने लाने में पारदर्शी व निष्पक्ष कार्रवाई करेगी। लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ की शुचिता बनाये रखने के लिये यह बेहद जरूरी भी है। निस्संदेह, न्यायपालिका का लक्ष्य सिर्फ संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना ही नहीं है बल्कि सार्वजनिक जीवन में निष्पक्षता, ईमानदारी और विश्वसनीयता के मूल्यों के आदर्शों का प्रतिनिधित्व करना भी है।

न्यायाधीश ने दावा किया है कि उनके या परिवार के किसी सदस्य द्वारा स्टोर रूम में कभी कोई नकदी नहीं रखी गई थी। इस बयान ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। सवाल उठाया जा रहा है कि कड़ी सुरक्षा में रहने वाले सरकारी आवास में क्या बिना जानकारी के पैसा रखा जा सकता है? तो क्या किन्हीं आवासीय कर्मचारियों या बाहरी लोगों ने ऐसा कृत्य किया? यदि यह वास्तव में जज को फंसाने की सजिश थी, तो उसमें कौन लोग शामिल थे? निश्चित रूप से ऐसे सवालों का जवाब मिलने में विलंब से अविश्वास की धुंध और गहरी होगी।

मुस्लिम तुष्टिकरण के चक्रव्यूह में फंसता समाजवाद

मृत्युंजय दीक्षित

सपा सांसद सुमन ने अपने बयान से राजपूत वीर शिरोमणि पर 82 वां घाव कर दिया है। बयान में तथ्यों का जो झोल था उससे स्पष्ट है कि यह राजनैतिक बयानबाजी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए की गई है। रामजी लाल सुमन को यह पता होना चाहिए कि राणा सांगा की वीरता का वर्णन महाराणा प्रताप ने भी किया है। राण सांगा एक ऐसे अप्रतिम वीर सेना नायक थे जिनके शरीर पर शस्त्रों के 40 आघातों के भयंकर चिह्न थे तथा अनेक युद्धों में उन्होंने एक नेत्र,एक हाथ एक पैर खो दिया था। उस परम पराक्रम महाराणा संग्राम सिंह के समान कुशल एवं तेजस्वी सेनापति विश्व के किसी दूसरे देश में नहीं हुआ। महाराणा सांगा की सेना बहुत विशाल थी, जिसमें 80 हजार घुड़सवार सैनिक रहते थे और जोधपुर, मारवाड़, ग्वालियर, अम्बेर, चकेरी, आबू आदि के नरेश उन्हें पर अपना सिरमौर मानते थे। राणा सांगा का एकमात्र स्वपन इस परम पावन भारतभूमि को मुगलों के अपवित्र शासन से मुक्तकराना था। महाराणा सांगा 18 युद्धों में विजयी हुए तथा इब्राहीम लोधी को उन्होंने घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया।ऐ से वीर योद्धा को गद्दार कहने से आज हर स्वाभिमानी भारतीय आहत है।

समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम वोटबैंक को साधकर रखने के लिए अयोध्या में निर्दोष रामभक्तों का नरसंहार कराकर स्वयं को मुस्लिमों के एकमात्र मसीहा के रूप में स्थापित किया। अतीक और मुख्तार जैसे माफियाओं के साथ केवल इसलिए खड़ी रही जिससे मुस्लिम संतुष्ट रहें। अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य व नव्य राम मंदिर बनने का उपहास किया। सदा भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण तथा हिंदू देवी-देवताओं को काल्पनिक का मजाक बनाया । महाकुंभ- 2025 के आयोजन को लेकर गलत व विकृत बयानबाजी करके तथा अफवाहें उड़ाकर विफल करने का प्रयास किया। राम मनोहर लोहिया की बात करने वाली पार्टी न उनके कथनों को समझ पाई न ही उनको आदर दे पाई। इसी समाजवादी पार्टी के नेताओं में आजकल औरंगजेब के प्रति भक्ति भाव उमड़ा हुआ है। इनके समाजवाद की छद्म धर्मनिरपेक्षता बेनकाब तो पहले ही हो चुकी थी किन्तु अब सड़कों पर अनर्गल प्रलाप करती नृत्य कर रही है। सपा के सांसद रामजीलाल सुमन ने संसद के उच्च सदन में महान राजपूत राजा राणा संग्राम सिंह जिन्हें राणा सांगा कहा जाता है उनको गद्दार कहकर एक बार फिर हिन्दुओं के सम्मान पर आक्रमण किया है। अभी राणा सांगा को गद्दार कहने का मुद्दा चल ही रहा था कि संभल के सांसद जियाउर्रहमान वर्क ने सोमनाथ के लुटेरे आक्रांता महमूद गजनवी के भांजे सालार मसूद गाजी को महान संत बता दिया। इससे पूर्व महाराष्ट्र से सपा नेता अबू आजमी के औरंगजेब पर बयान देकर अपने अध्यक्ष का समर्थन प्राप्त कर चुके हैं। सपा सांसद सुमन ने अपने बयान से राजपूत वीर शिरोमणि पर 82 वां घाव कर दिया है। बयान में तथ्यों का जो झोल था उससे स्पष्ट है कि यह राजनैतिक बयानबाजी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए की गई है। रामजी लाल सुमन को यह पता होना चाहिए कि राणा सांगा की वीरता का वर्णन महाराणा प्रताप ने भी किया है। राण सांगा एक ऐसे अप्रतिम वीर सेना नायक थे जिनके शरीर पर शस्त्रों के 40 आघातों के भयंकर चिह्न थे तथा अनेक युद्धों में उन्होंने एक नेत्र,एक हाथ एक पैर खो दिया था। उस परम पराक्रम महाराणा संग्राम सिंह के समान कुशल एवं तेजस्वी सेनापति विश्व के किसी दूसरे देश में नहीं हुआ। महाराणा सांगा की सेना बहुत विशाल थी, जिसमें 80 हजार घुड़सवार सैनिक रहते थे और जोधपुर, मारवाड़, ग्वालियर, अम्बेर, चकेरी, आबू आदि के नरेश उन्हें पर अपना सिरमौर मानते थे। राणा सांगा का एकमात्र स्वपन इस परम पावन भारतभूमि को मुगलों के अपवित्र शासन से मुक्तकराना था। महाराणा सांगा 18 युद्धों में विजयी हुए तथा इब्राहीम लोधी को उन्होंने घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया।ऐ से वीर योद्धा को गद्दार कहने से आज हर स्वाभिमानी भारतीय आहत है। उधर संभल सांसद जियाउर्रहमान वर्क ने सालार मसूद गाजी को संत बताकर आक्रान्ताओं की पैरवी का नया राग अलापा है। सालार मसूद कोई संत नहीं था। सालार के पिता सालार साहू मसूद गजनवी के बहनोई थे और वह उत्तर भारत में मुस्लिम आक्रमणों का नेतृत्व करते थे। सालार मसूद जब दिल्ली से मेरठ, मुरादाबाद संभल होते हुए कन्नौज से बाराबंकी और फिर 1033- 34 के करीब बहराइच पहुंचा तब स्थानीय राजा सुहेलदेव राजभर ने अपने सहयोगी राजाओं के साथ मिलकर इस आक्रांता का बड़ी बहादुरी से सामना किया और लगभग परास्त ही कर डाला। राजा सुहेलदेव राजभर का इतिहस पढ़ने से पता चलता है कि सालार मसदू गाजी एक बहुत बड़ा लुटेरा तथा जिसने हिन्दुओं का बिना किसी हिचक के बेहिसाब ढंग से नरसंहार किया था। हिंदू बहिन -बेटियों पर बेरहमी के साथ अत्याचार, दुराचार किया था तथा उन्हें अपने हरम में ठूंस दिया था। सालार मसूद गाजी एक मदांध लुटेरा था उसकी सेना गांव के गांव उजाड़ देती थी तथा खेतों में खड़ी फसलों को बेरहमी से आग के हवाले कर देती थी ऐसे क्रूर आततायी का मुकाबला राजा सुहेलदेव राजभर ने ही किया । दुखद सत्य है कि इसी आक्रांता सालार मसूद गाजी के नाम पर बहराइच में उसकी कब्र पर हर वर्ष जेठ माह में मेला लगता है तथा उसमें उर्स आदि का भी आयोजन होता है। संभल में नेजा का मेला बंद हो जाने के बाद अब अब बहराइच, बाराबंकी, प्रतापगढ़,प्रयागराज, भदोही और वाराणसी से भी आक्रान्ताओं के नाम पर होने वाले ऐसे मेलों को बंद करने की मांग तीव्रता से उठ रही है। आज जब मेलों का विरोध हो रहा है तो सालार मसूद को संत बताना एक साजिश ही है।आजकल देश में आक्रांताओं का महिमा मंडन करके, झूठ के आधार पर अपनी राजनीति चमकाना मुस्लिम परस्त तथा कट्टरपंथी नेताओं का शगल बन रहा है। समाजवादी पार्टी वोटबैंक के चक्कर में अब राष्ट्रभक्त नायकों और गद्दारों में अंतर करना ही भूल चुकी है है। सपा ने महान राजपूत राजा राणा सांगा को गददार कहकर एक बहुत बड़ी राजनैतिक भूल कर दी है। 2012 के विधानसभा चुनाव ओर 2024 के लोकसभा चुनावों में राजपूतोंने अच्छी संख्या में सपा को वोट किया था किंतु सांसद सुमन और बर्क के बयानों के बाद राजपूत समाज सपा सांसद के पुतला दहन का अयोजन कर रहा है। सपा के मुस्लिम परस्त रवैये के कारण अब उनका बचा -खुचा हिंदू मतदाता भी दूर जा सकता है। यादव -मुस्लिम गठजोड़ को और मजबूती प्रदान करने के लिए किया गया यह गोल अब सेल्फ गोल हो रहा है। उधर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्णतया स्पष्ट हैं कि अब महापुरुषों का सम्मान न करने वाले लोगों की प्रदेश और देश में कोई जगह नहीं बचने दी जाएगी।

रसूल के सम्मान की दुहाई देने वाले ओवैसी और उनकी निर्लज्जता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मुसलमानों के हिमायती ओवैसी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए नागपुर नगर निगम (एनएमसी) ने आरोप मात्र के आधार पर बुलडोजर चला दिया, जो असंवैधानिक है। अगर कार्रवाई करनी थी तो अदालत में सबूत पेश कर सजा दिलवाते, उनके घरवालों का क्या दोष इनका कहना है कि हमारे रसूलल्लाह के खिलाफ अनाप-शनाप बकने की जुर्रत करने वाले एक बाबा के घर पर बुलडोजर नहीं चलता, क्योंकि वो संस्कारी है, हालाँकि उसने जो कहा वो जुर्म था। क्या वास्तव में बात इतनी सीधी है, जो यहां असदुद्दीन ओवैसी समझा रहे हैं।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी द्वारा नागपुर हिंसा के आरोपी फहीम खान के घर पर बुलडोजर चलाने महाराष्ट्र की शिंदे सरकार पर तीखा हमला बोला है। मुसलमानों के हिमायती ओवैसी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए नागपुर नगर निगम (एनएमसी) ने आरोप मात्र के आधार पर बुलडोजर चला दिया, जो असंवैधानिक है। अगर कार्रवाई करनी थी तो अदालत में सबूत पेश कर सजा दिलवाते, उनके घरवालों का क्या दोष इनका कहना है कि हमारे रसूलल्लाह के खिलाफ अनाप-शनाप बकने की जुर्रत करने वाले एक बाबा के घर पर बुलडोजर नहीं चलता, क्योंकि वो संस्कारी है, हालाँकि उसने जो कहा वो जुर्म था। क्या वास्तव में बात इतनी सीधी है, जो यहां असदुद्दीन ओवैसी समझा रहे हैं। आपके रसूलल्लाह की शान, शान है, उसकी वंदगी में कोई गुस्ताखी नहीं होनी चाहिए गुस्ताखी माफ नहीं होगी, लेकिन इस्लाम के नाम पर आपके लोग जो करें सब जायज है फहीम खान का वे कोई दोष नहीं मानते यानी पुलिस झूठ बोल रही है कैमरे झूठ बोल रहे हैं जिन लोगों ने पुलिस के सामने गवाही दी है, वे सभी झूठ बोल रहे हैं यह सच किसी से छिपा नहीं रह गया है कि फहीम खान नागपुर में दंगे के लिए भीड़ इकट्ठा करने और भड़काऊ भाषण देकर पथराव-हिंसा करवाने का आरोपित है, इनके हिसाब से ये सच नहीं है। वह तो नेकनीयत वाला व्यक्ति है, उसे बेकार में पुलिस फंसा रही है औवैसी के हिसाब से यहां कोई सच बोल रहा है तो वे स्वयं ही हैं! फहीम खान जैसे लोग इस्लाम के नाम पर लोगों को इकट्ठा करें, उन्हें भड़काएं, जिहादी नारे लगाए और सुनियोजित तरीके से हमला करें और करवाएं फिर भी सरकार, पुलिस इसलिए कोई कार्रवाई न करें, क्यों कि वह अल्पसंख्यक उसमें भी खासकर मुसलमान है नागपुर में सोमवार 17 मार्च 2025 को क्या हो रहा था मुस्लिम भीड़ ने खोज-खोजकर हिंदू घरों और गाड़ियों को निशाना बनाया, इसके अधिक इस मुस्लिम भीड़ ने तुलसी के पौधे को तोड़ने के साथ चुन-चुन कर गाड़ियों में रखी भगवान की मूर्तियों, स्वास्तिक और मूर्तियाँ देखकर उन्हें जलाया, जबकि मुस्लिम घरों और गाड़ियों को छुआ तक नहीं। नकाबपोश हमलावर पेट्रोल बम, पत्थर और हथियारों से लैस थे। ये हिन्दू घरों और बच्चों तक पर पत्थर फेंक रहे थे । यानी असदुद्दीन ओवैसी को संविधान की जब याद नहीं आती जब उनके तथाकथित भाईजान-चाचाजान ये सभी हिन्दुओं पर हिंसा कर रहे थे, उनके देवताओं को आग के हवाले कर रहे थे। किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि जिनके साथ घटनाएं घटीं, उनके कई वीडियो आज सोशल मीडिया में मौजूद हैं, क्या इन नफरती भाईजान को इन सभी का दर्द दिखाई नहीं देता, इन वक्त के मारे, हम दर्दों के लिए औवैसी को संविधान की याद नहीं आती आज हमारे सामने अनेकों चश्मदीद गवाह है, जो इस हिंसा का शिकार हुए हैं, क्या वे सब भी झूठे हैं औरंगजेब विवाद में नागपुर में हुई हिंसा के दौरान मुस्लिम दंगाइयों ने हिंदू युवक वरुण की दुकान को आग के हवाले कर दिया था । पीड़ित दुकानदार ने कहा, '' भाईचारे से रह रहे थे तो दुकान तोड़ने की क्या जरूरत थी इतने लोगों ने गाड़ी क्यों जला दी यहाँ पर एक भी दुकान का कांच नहीं टूटा है। हम हिंदू हैं इसलिए हमें निशाना बनाते हुए हमारी दुकानों पर हमला हुआ। आज दुकान तोड़ी है, कल घर में घुस जाएंगे।'' क्या यहां वरुण झूठ बोल रहा है नागपुर हिंसा में घायल डीसीपी निकेतन कदम ने बताया, ''एक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई थी, उनके पास हथियार, पेट्रोल और डंडे थे। इसके बाद पत्थरबाजी हुई और वाहनों में तोड़फोड़ की गई। मुस्लिम भीड़ से एक व्यक्ति आगे आया और मुझ पर हमला किया, जिससे मेरे हाथ में गहरी चोट लग गई। एक पीड़ित महिला ने बताया, ''दंगाइयों के हाथ में तलवारें थीं। मुस्लिम भीड़ ने घरों के दरवाजों पर तलवार से हमला भी किया। उनके घर में एक महिला का हाल ही में ऑपरेशन हुआ था, फिर भी दंगाइयों ने उस घर पर ईंट-पत्थर फेंककर कांच तोड़ दिए। नीचे खड़ी 8 से 10 कारों में आग लगा दी गई। हसनपुर इलाके में दुकान चला रहे हिंदू दुकानदार ने हिंसा की आपबीती सुनाते हुए बताया, ''मेरी किराना स्टोर की दुकान है। मैं दुकान बंद करके खाना खाने के लिए बैठा ही था कि तभी पथराव शुरू हो गया। भीड़ ने मेरी दुकान के सामने खड़ी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। जब मैंने आग बुझाने की कोशिश की, तो उन्होंने मुझ पर पत्थर फेंककर मुझे घायल कर दिया।'' नागपुर के दंगे में सुनील पेशने नाम के हिंदू युवक के कार को मुस्लिम भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। घटना की व्यथा बताते हुए सुनील ने कहा, ''घटना करीब रात 8:30 बजे हुई। 500 से 1000 लोगों की भीड़ ने पत्थरबाजी की। उन्होंने हमारी कार को भी जला दिया... करीब 25-30 वाहनों में तोड़फोड़ की गई। मुस्लिम भीड़ ने फायरकर्मी कपिल बर्वे को घायल कर अधमरा कर दिया। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बताया, मुस्लिम भीड़ ने उन पर पत्थरबाजी की और उन पर चाकू व तलवारों से हमला किया, ताकि हम आगजनी को कंट्रोल न कर पाएं। नागपुर हिंसा में मुस्लिम भीड़ ने बंडु क्लिनिक चला रहे एक हिंदू डॉक्टर ए. आर. श्रीवास के घर में घुसकर दवा और क्लिनिक में तोड़कर सामान फेंक दी। घर में घुसकर भगवान के कमरे में पत्थरबाजी की और लाइट कनेक्शन काट दिए। वहीं, औरंगजेब को लेकर हुई हिंसा में पीड़ित एक हिंदू युवक ने कहा, मुस्लिम भीड़ पहले जुटी और सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये और फिर मेरे घर के सामने रखी रामनवमी की झांकियों को आग लगा दिया। भीड़ ने मेरे बाईक पर पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। यहां इस तरह के अनेकों लोग हैं, जिनके सामने ये पूरी घटना घटी। वास्तव में विश्व हिन्दू परिषद् के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल सही कहते हैं कि आज मुसलमानों के तथाकथित हिमायती ओवैसी जैसों से पूछा जाना चाहिए कि जो वे पैगम्बर, रसूलल्लाह का हवाला दे रहे हैं और संविधान की बात कर रहे हैं, उनका यह संविधान तब कहां चला जाता है, जब ये मुसलमानों द्वारा की जा रही हिंसा पर चुप्पी साध कर बैठ जाते हैं ये मुसलमान जब हिन्दू देवी-देवताओं के चित्र नष्ट कर रहे थे, उन्हें आग के हवाले कर रहे थे, तब तो फिर पूरे हिन्दू समाज को गुस्सा आ जाना चाहिए दूसरा आपको किसी संत-महात्मा द्वारा इस्लाम को लेकर कही गई बात तो ध्यान हैं, लेकिन जो आपके लोग सिर्फ कह नहीं रहे, वह तो करके दिखाते हैं। उनके लिए आप चुप हो जाते हैं। वास्तव में ओवैसी जी ये दोहरा चरित्र यहां चलनेवाला नहीं है। देश की जनता आपके कृत्यों को देख रही है ओवैसी साहब, कुछ तो अपने रसूल से डरो, सच कहने का साहस दिखाओ।

संविधान के नाम पर कांग्रेस का दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं।

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप- मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने एलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प् बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है? दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है? दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है। अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठंडा नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी। अब तो तीर कमान से निकल चुका है, भले ही अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सफाई देने में लगे हैं कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और वह संविधान में बदलाव का प्रस्ताव कभी नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का पक्षधर नहीं है। डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ऐसे आरक्षण के हिमायती नहीं थे। संविधान सभा में एकमत के साथ यह तय हुआ था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब अगर ऐसे आरक्षण की जरूरत पड़ने लगी है, या कांग्रेस मुसलमानों के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिये आरक्षण का हथियार चलाती है तो संविधान में संशोधन तो करना ही होगा। अपने आजाद देश में जरूरतमंदों को आरक्षण देने के लिए करीब 12 बार संविधान में संशोधन किए गए है और मुस्लिमों को महज मजहबी बुनियाद पर आरक्षण देने के लिए भी ऐसी जरूरत पड़ेगी। गांधी परिवार के अत्यंत करीबी कर्नाटक के डिप्टी सीएम के बयान को सुनकर लोग हैरत में हैं। लोग संविधान के खिलाफ धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की कोशिश का विरोध कर रहे हैं। धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।' कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है। कांग्रेस भारत के संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही हैं, मुस्लिम आरक्षण को संविधान में जगह देकर संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफत की जा रही है। मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक हैं। कांग्रेस बार-बार मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर संविधान की मूल भावना को चुनौती दे रही है। मुस्लिम वोटबैंक के लिए ऐसा किया जाना संविधान की मूल भावना से खिलवाड है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी का रवैया आरक्षण को लेकर समय-समय पर बदलता रहा है। कभी उसने संविधान संशोधन की बात की, तो कभी आरक्षण का विरोध किया, तो कभी धर्म के आधार पर आरक्षण देने के प्रयास भी किए। आपातकाल के काले दौर में कांग्रेस द्वारा ऐसा भी किया गया, जब इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान की मूल प्रस्तावना ही बदल डाली। कांग्रेस नेता संविधान की किताब जेब में रखते हैं, लेकिन इसे कमजोर करने के लिए हरसंभव कोशिश भी करते हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव क्यों करना चाहती है? कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है? स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। जबकि वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। भारतीय संविधान और लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की मंशा से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं।

सीडीओ की लगातार जांच में फंसते नजर आ रहे पूर्व सीएमओ डाक्टर आर के गौतम

राष्ट्रीय प्रस्तावना की खबर का हुआ बड़ा असर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- केवल उपकरण खरीदने में ही लाखों का घोटाला आया सामने
- उपकरण रखे तीन और स्टोरों को सील किया गया
- सीडीओ ने डिप्टी सीएमओ को तलब कर कई दस्तावेज खंगाले

शाहजहांपुर। स्वास्थ्य विभाग में हो रही बहुत बड़े पैमाने पर रुपयों के गबन की खबर प्रकाशित होने के बाद जनपद में हड़कंप मचा हुआ है।सीडीओ द्वारा कराई जा रही जांच में सबसे पहले ही चश्मा वितरण में लाखों रुपए का घोटाला सामने आ चुका है।इसके अलावा स्वास्थ्य महकमे में फर्नीचर से लेकर अन्य जरुरी उपकरणों की खरीद में काफी बड़े घोटाले की जानकारी सामने आने लगी है।इसी कड़ी में स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष सीडीओ डाक्टर अपराजिता सिंह ने रविवार को सीएमओ कार्यालय में जांच समिति के साथ अहम दस्तावेज जांच समिति की कस्टडी में एकत्र कर लिए।इसके अगले दिन सीडीओ ने डिप्टी सीएमओ डाक्टर मनोज मिश्रा को को तलब कर लिया। सीडीओ ने उनसे कई दस्तावेजों के साथ ही काफी मात्रा में खरीदे गए महत्वपूर्ण सामान के बिल बाउचर के बारे में जानकारी ली और काफी सामान के बाउचर जांच समिति की निगरानी में जांच के लिए रख लिए। सीडीओ ने बताया कि कोरोना काल में सीएचसी पीएचसी पर बनवाए गए बेड और स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं में खर्च होने वाले लाखों रुपए प्रतिमाह के बजट को कागजों में दर्शाकर पैसा गबन करने के मामले में डीएम धनमेंद्र प्रताप सिंह ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे रखे हैं।जिसमें स्वास्थ्य महकमे से जुड़े कई सेंटरों की जांच करने हेतु एक जांच समिति बनाई गई है।जिसमें खुद सीडीओ डाक्टर अपराजिता सिंह कीपहले दिन की ही जांच में 21 लाख रुपए के 4390 चश्मे कागजों में वितरित कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आने के बाद जांच समिति अब एक एक चीज की बारीकी से जांच कर रही है।।इसके अलावा कोरोना काल में सीएचसी पीएचसी पर बनावाए गए सेंटरों पर पचास से लेकर दस बेड तक के सेंटर बनाने में बहुत बड़ा खेल किया गया।कई स्थानों पर तो बेड लगाना तो दूर कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के लिए बैठने तक की व्यवस्था नहीं की गई थी।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ही माने तो कई जगह बेड,चादर,तकिया,पंखे,तथा अन्य सामान अस्पताल तक आया और रातोरात गायब हो गया।जानकारी मिली है कि लगभग सभी सीएचसी पीएचसी पर प्रसव को लेकर बड़ा खेल हो रहा है।केंद्रों पर आने वाली गर्भवती महिलाओं को गलत जानकारी देकर प्राइवेट अस्पताल ले जाने की सलाह दी जाती है। लिखापढ़ी में प्रसव सीएचसी, पीएचसी पर ही दिखाया जाता है।डीएम धनमेंद्र प्रताप सिंह ने इस गम्भीर मामले की जांच सीडीओ डाक्टर अपराजिता सिंह को पहले से ही सौंप रखी है।जांच में पहले दिन ही चश्मों की जांच की गई तो बड़ा घोटाला सामने आया। 21 लाख रुपए के 4390 चश्मों को केवल कागजों में ही हेराफ़ेरी कर पैसा निकाल लिया गया। जांच में ये भी पाया गया कि कोरोना काल में कुछ जरूरी सामान पुराना रखबाकर नए सामान की बिलिंग करा ली गई।।

सीडीओ डाक्टर अपराजिता सिंह ने करीब तीन माह पहले ददरौल के सीएचसी के स्टोर पर छापा मारा था।इस दौरान यहां पर काफी मात्रा में फर्नीचर और मेडिकल उपकरण बरामद किए थे जो धूल फांक रहे थे। पूंछाने पर स्टोर कीपर और संबंधित अधिकारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।इसके बाद सीडीओ ने सीएमओ कार्यालय के स्टोर पर छापा मारा। यहां पर भी भारी मात्रा में फर्नीचर और मेडिकल उपकरण मिले थे जिनका कोई सही रिकॉर्ड ही नहीं मिला था।इन प्रकरणों की जांच चल रही है।अंदर से मिली जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य महकमे ने मेडिकल उपकरण से लेकर फर्नीचर खरीददारी तथा सीएचसी पीएचसी पर चल रही अन्य योजनाओं के बजट में आने वाले लाखों रुपए महीना के खर्च में बड़ी हेराफ़ेरी की जा रही है।जिसमें पूर्व सीएमओ समेत अन्य कई अधिकारियों, कर्मचारियों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

चंबल का बदला रूट, मेमू समेत छह पैसेंजर रहेंगी रद

बांदा। झांसी-मानिकपुर रूट पर इंटरलाकिंग कार्य के चलते 31 मार्च को दो पैसेंजर गाड़ी सहित तीन मेमू का संचालन रद रहेगा। वहीं चंबल एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन किया गया है। यह गाड़ी एक दिन के लिए खजुराहो होकर झांसी के लिए प्रस्थान करेगी। झांसी मंडल के जन सूचना अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बेलाताल से कुलपहाड़ स्टेशन के मध्य नान इंटरलाकिंग तथा कट कनेक्शन कार्य के चलते गाड़ी संख्या 11801 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी प्रयागराज, गाड़ी संख्या 11802 प्रयागराज वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, गाड़ी संख्या 64613 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बांद मेमू, गाड़ी संख्या 64614 बांदा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमू, गाड़ी संख्या 64611 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-मानिकपुर मेमो 31 मार्च को रद रहेगी। वहीं गाड़ी संख्या 64612 मानिकपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमो का संचालन एक अप्रैल को नहीं बेलाताल से कुलपहाड़ तक काम के चलते रेलवे ने की घोषणा किया जाएगा। इसके साथ ही गाड़ी संख्या 12178 मथुरा-हावड़ा चंबल एक्सप्रेस का संचालन 31 मार्च को वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से खजुराहो मार्ग से महोबा होते हुए किया जाएगा। यह गाड़ी बरुआ सागर, निवाड़ी, मऊरानीपुर, हरपालपुर तथा कुलपहाड़ स्टेशन नहीं जाएगी।

शहर कोतवाल पंकज सिंह ने किया भक्तों को 3000 यथार्थ गीता धार्मिक पुस्तकों का वितरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा । कहने को तो पुलिस का काम अपने क्षेत्र में लाइन ऑर्डर मेंटेन करने का है। वहीं दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के द्वारा समाज को सही राह में ले जाने के लिए किए जा रहे हैं इनके कार्यों की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है शहर कोतवाल बांदा पंकज सिंह के द्वारा अपने समस्त पुलिस चौकियों क्षेत्रों में कार्यों को करते-करते बांदा नगर के क्षेत्र में अपनी ड्यूटी निभाने के साथ-साथ एक मानव हित का कार्य करना बहुत बड़ी बात है कोई अपनी ड्यूटी भी कर रहे हैं और समाज को सही मार्ग पर ले जाने का कार्य कर रहे हैं ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है जो आज देखने को मिला। श्रीनाथ बिहार में चल रही श्री राम कथा के आज विश्राम दिवस के अवसर पर नगर कोतवाली प्रभारी पंकज कुमार सिंह के द्वारा लगभग 3000 से ऊपर यथार्थ गीता धार्मिक पुस्तकों का वितरण अपने चौकी इचार्ज अलीगंज राकेश द्विवेदी, चौकी इंचार्ज कालूकुआं सीध पीध तिवारी, पुलिस कांस्टेबल, एवं कथा स्थल के सहयोगियों के सहयोग से कथा श्रवण करने वाली भक्तों को वितरित किया गया। इस विशाल कथा स्थल में आने वाले हजारों कथा श्रवण भक्तों को यथार्थ गीता पुस्तक का वितरण किया गया ताकि सभी लोग इस पुस्तक का अध्ययन कर अपने जीवन में उतर कर अपने घर परिवार क्षेत्र वासियों,ग्राम वासियों ,जनपद ,प्रदेश और देश में एक अच्छा संदेश पहुंचाएं ताकि मानव जीवन जो हमें मिला है उसको जीने का सही मार्ग अपना कर लोग अपने देश की प्रगति में भागीदार बने। जानकारी के मुताबिक के पंकज सिंह जहां-जहां भी रहे उन्होंने जाति धर्म से ऊपर उठकर सभी ज्ञानवर्धक ,धार्मिक पुस्तकों, अपने संदेशों के माध्यम से कार्य किया ताकि सभी लोग एक ऐसा वातावरण बनाए जहां आपसी लड़ाई, झगड़ा, ईर्ष्या द्वेष से मुक्ति मिल सके इसी क्रम में आज उन्होंने अपने इस सर्वश्रेष्ठ कार्य अंजाम दिया जो बहुत ही सराहनीय है जनपद में एक अच्छा संदेश लोगों को दिया जा रहा है कृपया अनुकन का इसको अपने जीवन में उतरकर अपना जीने की शैली को अपना कर अपने साथ-साथ अपने सभी सहयोगियों का मार्गदर्शन करें ।

संक्षिप्त समाचार

नदी में डूबे 3 बच्चों के शव नदी से बरामद

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में बकरी चराने गए चार बच्चों में से तीन नदी में नहाते समय डूब गए हैं पुलिस ने बच्चों की तलाश में लगाई गई एसडीआरएफ टीम ने आज तीसरे दिन तीनों बच्चों के शव नदी से बरामद कर लिए हैं पुलिस अधिकारी ने घटना की जानकारी बुधवार को दी है। पुलिस अधीक्षक (नगर) देवेंद्र कुमार ने बुधवार को बताया कि थाना सदर बाजार अंतर्गत मामुड़ी मोहल्ले में रहने वाले चार बच्चे सोमवार दोपहर बाद गर्रा नदी के किनारे बकरी चराने गए थे इस दौरान शाहरुख (12) शोएब (14) और अखलाक (11) नदी में नहाने के लिए चले गए। उन्होंने बताया कि पानी गहरा होने के कारण वह डूबने लगे तब शाहरुख के भाई जीशान ने जब इन्हें डूबता देखा तो उसने घर जाकर परिजनों को सूचना दी इसके बाद पुलिस तथा वह स्वयं मौके पर पहुंचे और फ्लड यूनिट के साथ-साथ पुलिस के तैराक भी लगाए गए परंतु बच्चों का कुछ भी पता नहीं चल पाया। देवेंद्र ने बताया इसके बाद लखनऊ से आई एसडीआरएफ टीम ने व हमारी स्थानीय पुलिस ने कड़ी मेहनत के बाद शाहरुख 12 का शव मंगलवार को नदी से बरामद कर लिया जबकि शोएब 14 तथा अखलाक 11 का शव आज सुबह नदी से बरामद कर लिया गया है उन्होंने बताया कि सभी का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वहीं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरविंद कुमार ने बताया कि वह स्वयं घटना स्थल पर गए थे और उन्होंने लगातार पूरे मामले पर नजर बनाए रखी उन्होंने कहा की देवी आपदा राहत के तहत पोस्टमार्टम होने के बाद मृत बच्चों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की सहायता दी जाएगी उन्होंने जिले के नदियों के किनारे बसे ग्रामीणों से अपील की है की छोटे बच्चों को पशु आदि ले जाकर तथा नहाने के लिए नदी की ओर जाने से रोके।

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह

बांदा । श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह एवं चारों धाम पूजा कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित भागवत कथा के पहले दिन कथा वाचक ने श्रीमद्भागवत कथा का महात्म्य सुनाया और कथा श्रवण मात्र को ही भवसागर से पार उतरने का साधन बताया। शहर की पाश कालोनी इंदिरा नगर स्थित श्रीसिन्द्धेश्वर महादेव मंदिर में शोभा यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह की शुरुआत हो गई। आयोजक सतीश शुक्ला ने बताया कि कथा व्यास वेणी माधव पीठ चित्रकूट धाम से पधारे पं. वेंकटेश महाराज के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा सुनने का अवसर मिलेगा। कथा परीक्षित उर्मिला शुक्ला होगी। बताया कि सोमवार से शुरू कथा विश्राम 30 मार्च को होगा, जबकि 31 मार्च को हवन पूजन और विशाल भंडारा के साथ समापन होगा। सोमवार को भव्य कलश यात्रा में आयोजन मंडल के सभी सदस्यों ने पीतांबर धारण कर हिस्सा लिया और कथा का शुभारंभ कराया। पहले दिन कथा वाचक ने भागवत कथा का महात्म सुनाया और श्रीमद्भागवत कथा को सभी कष्टों के निवारण का एकमात्र साधन बताया।

फर्जी बैनामा कर भूमि बेचने का आरोप

बांदा। किसान की जमीन फर्जी बैनामा कर दूसरे को बेच दी गई है। जब इसकी जानकारी किसान को हुई तो वह इधर-उधर भटकने लगा। हर तरफ दौड़ लगाने के बाद पीड़ित ने एसडीएम कार्यालय पहुंच कर मामले का शिकायती पत्र दिया और न्याय की गुहार लगाई। गुढ़ाकला के मजरा चौकीपुरवा निवासी मुन्नीलाल पुत्र सुदामा ने शिकायती पत्र में बताया कि उसकी भूमि को सियारपाखा के शख्स ने फर्जी तरीके बैनामा करा विक्रय कर दिया। पीड़ित ने बताया उक्त सहित एक और व्यक्ति करते हैं। पीड़ित ने दोषियों के खिलाफ किया है।

ददरौल विधायक ने उपराष्ट्रपति को लिखा पत्र

शाहजहांपुर। ददरौल विधानसभा अरविंद कुमार सिंह ने राज्यसभा सभापति/उपराष्ट्रपति को पत्र भेजा है।पत्र में लिखा है कि राणा सांगा पर अमर्यादित टिप्पणी किए जाने के विरोध में राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन की संसद सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्दकर राष्ट्र द्रोह का मुकदमा चलाए जाने की मांग की है। विधायक अरविन्द कुमार सिंह ने ये भी मांग की है कि महाराणा संग्राम सिंह प्रथम,जिन्हें लोग राणा सांगा के नाम से जानते हैं,उन्होंने आजीवन मुगल शासकों से सनातन धर्म की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी।

उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर समारोह का किया गया भव्य आयोजन

शुक्लागंज-उन्नाव। उत्तर प्रदेश सरकार की सेवा, सुरक्षा व सुशासन नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिषद गंगाघाट में उत्कर्ष के 8 वर्ष समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर, अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्र ने सरकार की विभिन्न योजनाओं और उनकी उपलब्धियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरकार ने जन-जन तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। समारोह में, विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को पुष्पहार भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले लाभार्थियों में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधि योजना, व्यक्तिगत शौचालय, सामूहिक विवाह और विश्वकर्मा योजना के लाभार्थी शामिल थे। रीता, अवधेश, प्रमोद कुमार, शारदा सविता, करुणानंद मिश्र, अमित राठौर, संजय चौरसिया, सुनील कुमार, गीता और रंजना पांडे जैसे लाभार्थियों को उनकी सफलता के लिए सराहा गया।

भव्य दीक्षांत समारोह का किया गया आयोजन

शुक्लागंज-उन्नाव। डी.एस.एम. पब्लिक स्कूल में हाल ही में एक भव्य दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के मेधावी छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेठ आनंदराम जयपुरिया की प्रधानाचार्या शिखा बनर्जी, डी.डी.ई.सी. की प्रधानाचार्या नीलम द्विवेदी और जाने-माने एमबीबीएस/शुगर स्पेशलिस्ट डॉ. सौरभ मिश्रा उपस्थित थे।

चिल्ला में बच्चों से केक कटवा कर वार्षिक उत्सव मनाया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। संकुल चिल्ला के समस्त विद्यालयों में केक कटवा कर वार्षिक उत्सव अभिभावक व बच्चों के साथ बनाया गया वही पूर्व माध्यमिक विद्यालय कन्या चिल्ला क्षेत्र तिन्दवारी बांदा में बच्चों को विदाई के रूप पर एक एक शील्ड वितरित की गई इस मौके पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक मीरा देवी, माधुरी पाण्डेय,सुहैल और एस एम सी सदस्य कौशल किशोर एस एम सी अध्यक्ष ,रानी एस एम सी उपाध्यक्ष सुमिरिया , रामरूप, आरती, रीता ,विमल, पूजन , मइयादीन ,कालका प्रसाद व अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

शराब की दुकान के सेल्समैन से हुई डेढ़ लाख रूपये की लूट

- थाने से चंद कदम दूर का है मामला चार माह पहले भी इसी शराब की दुकान से हुई थी ताला तोड़कर लाखों की चोरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा । पुलिस का भय अब लोगों के जहन से अब दूर हो गया है क्योंकि जब थाने के पास से लोगों का अपहरण,पिस्टल लगाकर लूट और मिर्च डालकर लोगों को लूटा जा रहा है तो अब ऐसे में लोगों को पुलिस का भय नहीं रह गया है। जिसके चलते सरकारी देशी शराब की दुकान को रात्रि में बंद करके सेल्समैन अपने कमरे में जा रहा था कि तभी थाने से 50 कदम की दूरी पर ही पीछे से एक व्यक्ति आया और लाल मिर्च डाल दिया जिससे हम लोगों द्वारा आंखों को धुलने में लगाए तभी पैसे से भरी पन्नी को लुटेरा लेकर भाग गया।जिसको लेकर अनुज्ञापी द्वारा थाने में तहरीर दी गई।मामला गिरवा थाने के खुराहंड रोड स्थित देशी शराब की दुकान खुली है जिसके अनुज्ञापी अतुल कुमार गौतम निवासी बांदा ने थाने में दिए तहरीर में बताया कि मेरे सेल्समैन जगमन सिंह निवासी छेहराँव थाना देहातवाली बगल की बियर की सरकारी दुकान के सेल्समैन शनि निवासी गिरवा दोनों लोगों दुकान बंद करने के बाद रात्रि साढ़े 10 बजे गिरवा कस्बे के अंदर जा रहे थे कि तभी गिरवा थाने से ठीक 50 कदम की दूरी पर पीछे से आए एक व्यक्ति ने लाल मिर्च डाल दी जिससे हम लोगों की आँखें बंद हो गई और हमारा पन्नी में तीन दिन का पैसा डेढ़ लाख रूपये लेकर फरार हो गया। वहीं जब सेल्समैनों द्वारा जोर जोर से आवाज लगाई गई तो लोग एकत्रित हुए और पीड़ितों ने इसकी सूचना तुरंत थाने में।

चार माह पूर्व इसी दुकान से हुई थी ताला तोड़कर लाखों की चोरी

चार माह पूर्व देशी शराब की दुकान से ताला तोड़कर लाखों की नगदी लूट लेगे थे चोर लेकिन आज तक उसका भी खुलासा करने में पुलिस नाकाम रही है और दुकानदार परेशान हो रहा है। जबकि दिए गए तहरीर के अनुसार थाने में मुकदमा भी दर्ज किया गया था जिसमें एक भी चोर गिरफ्तार नहीं हुआ है।

एक माह पूर्व थाने से कुछ दूर पहले हुआ था अपहरण

वहीं पिछले माह ही गिरवा थाने से 100 मीटर की दूरी पर गिरवा इंटर कालेज के सामने से शाम 4 बजे चार लोग कार सवार लोगों ने पैसे के लेन देन को लेकर एक युवक का अपहरण किया था जिसमें पुलिस द्वारा सभी लोगों को दो कार सहित गिरफ्तार कर लिया गया था।

पांच माह पहले थाने के ठीक सामने से हुई थी पिस्टल लगाकर युवक से लूट

गिरवा थाने के गिरवा कस्बे के रहने वाले दिनेश अग्निहोत्री पांच माह पहले अपने पुराने वाले घर जा रहा था तभी थाने के ठीक सामने 10 मीटर की दूरी पर दो लोग बाइक में सवार होकर आए और दिनेश के पेट में पिस्टल लगाते हुए उसकी जंजीर और अंगूठी को कटर से काट कर उतार ले गए थे जिसका आज तक कोई भी सुराग पुलिस नहीं लगा पाई है।

क्या कहते हैं राधा कृष्ण तिवारी गिरवा थाना प्रभारी

मामला केवल फर्जी है कोई लूट नहीं हुई है। तहरीर मिली है जांच की जा रही है।

लापरवाही : दीवार पर स्वच्छता का स्लोगन लिखवा लेकिन सफाई करना भूले जिम्मेदार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। दीवार पर स्वच्छता का स्लोगन लिखने के बाद शौचालय की साफ-सफाई करान भूल गए हैं। दुर्गंध इतनी भीषण उठती है कि पास खड़े भी नहीं हो सकते हैं। ऐसे में शौचालय का प्रयोग करना तो दूर की बात है। यह स्थिति है, नरैनी कस्बा में बंबा तालाब पार्क में बने शौचालय की। स्थानीय लोगों के मुताबिक, तालाब पार्क में बने स्वच्छ शौचालय का हाल बेहाल है। जहां एक ओर कस्बे को स्वच्छएवं सुंदर बनाया जा रहा है, वहीं इसके पास तक भी कोई जाना पसंद नहीं करता। शौचालय के दो दरवाजे हमेशा बंद रहते हैं। एक खुला रहता है। उसमें कुंडी तक नहीं है। शौचालय में पानी की व्यवस्था भी नहीं है। पार्क में जगह-जगह दीवारों पर लिखा है कि शौचालय का करें प्रयोग, मिटे गंदगी भागे रोग। स्वच्छ भारत मिशन, कदम से कदम मिलाना है, कस्बे को स्वच्छ बनाना है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शौचालय में गंदगी के कारण दुकानदार और ग्राहक पेड़ों के नीचे लघुशंका को मजबूर हैं।शौचालय में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। कई बार ईओ से अव्यवस्थाएं बताई गई। पर कोई ध्यान देनेवाला नहीं है। गंदगी अंबार से लोग खुले में लघुशंका करने को मजबूर हैं। रामनरेश 66 शौचालय का प्रयोग तो दूर, दुर्गंध के चलते पास खड़े भी नहीं रह सकते हैं। दीवारों पर स्वच्छता का स्लोगन लिखवाने से के बाद जिम्मेदार साफ-सफाई करवाना भूल गए हैं। पानी तक की , व्यवस्था नहीं है। मोहम्मद अजीम शौचालय तो बनवा दिया गया, रखरखाव के लिए कर्मचारी की तैनाती नहीं की गई है। कर्मचारी की तैनाती है। है भी तो उसे कभी देखा नहीं है। गंदगी के कारण कोई भी शौचालय का प्रयोग नहीं करता है, इस अनदेखी के चलते काफी दिक्कत होती ।

तहसील सभागार जलालाबाद में मनाया गया सेवा सुरक्षा और सुशासन दिवस

- जलालाबाद तहसील पूरे जिले में अग्रणी तहसील के रूप में स्थापित हो रही है : विधायक
- विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने और विशेष प्रदर्शन के लिए सम्मानित की गई खंड शिक्षा अधिकारी जलालाबाद शाहीन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। तहसील प्रशासन जलालाबाद के द्वारा उप जिला अधिकारी दुर्गेश यादव की अध्यक्षता में तहसील सभागार जलालाबाद में सेवा सुरक्षा और सुशासन दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जलालाबाद विधायक हरिप्रकाश वर्मा व विभिन्न अतिथियों के द्वारा सबसे पहले मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन के उपरांत बेसिक शिक्षा विभाग के बालक बालिकाओं के द्वारा सरस्वती वंदना का आयोजन किया गया और इसके बाद स्वागत गीत तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जलालाबाद तहसील के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभागों के द्वारा अपने-अपने स्टाल के माध्यम से सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में प्रदर्शन किया जिसमें शिक्षा विभाग जलालाबाद का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा सभी अतिथियों के द्वारा शिक्षा विभाग जलालाबाद के द्वारा किए जा रहे हैं विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों और जलालाबाद की शिक्षा व्यवस्था में आ रहे अमूल चूल बदलाव व विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में जलालाबाद के छात्र-छात्राओं के द्वारा लहराए जा रहे परचम की सराहना की। इसके उपरांत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जलालाबाद के विधायक हरि प्रकाश वर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरकार के द्वारा 8 वर्ष में किए गए विभिन्न कार्यों विभिन्न योजनाओं आदि के बारे में विस्तार से बताया गया कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री अनिल गुप्ता ने सरकार द्वारा 8 वर्षों में किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किये इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि जलालाबाद ब्लाक प्रमुख श्रीमती लता सिंह ने सरकार के द्वारा महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने और उनको सुरक्षा देने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों की चर्चा की इसी के साथ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी छोटेलाल लोधी ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाया इसी क्रम में मिर्ज़ापुर ब्लॉक प्रमुख प्रियांशु रघुवंशी ने विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से अपने विचार रखें साथ ही कलान ब्लॉक प्रमुख रामगोपाल वर्मा ने सरकार के द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में सभी को बताया । खंड शिक्षा अधिकारी शाहीन अंसारी के द्वारा शिक्षा विभाग में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में सभी को विस्तार से बताया गया।

प्रदेश सरकार के ''सेवा, सुरक्षा व सुशासन''के 8 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुई त्रिदिवसीय प्रदर्शनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- यह सरकार योगियों की है, भोगियों की नहीं: प्रभारी मंत्री

उन्नाव। प्रदेश सरकार के ''सेवा, सुरक्षा व सुशासन'' की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं योजनाओं से जन सामान्य को परिचित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर निराला प्रेक्षागृह में आयोजित त्रिदिवसीय प्रदर्शनी/मेले के दूसरे दिवस के कार्यक्रम का मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन उत्तर प्रदेश एवं जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा केन्द्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का प्रभारी मंत्री द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी गौरांग राठी व पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर की उपस्थिति में अवलोकन किया गया। तदोपरान्त प्रेक्षागृह सभागार में मुख्य अतिथि द्वारा सरस्वती पूजन व दीप प्रज्ज्वलन के साथ विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में निर्मित/स्वीकृत विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही महाकुम्भ 2025 पर सूचना विभाग द्वारा तैयार की गयी लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा मुख्य विकास अधिकारी प्रेम प्रकाश मीणा द्वारा आठ वर्ष में जनपद में किए गए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होने बताया कि इनवेस्ट यूपी के तहत रू0 22333 करोड़ औद्योगिक निवेश हुआ है, जिसके सापेक्ष 115224 रोजगार सृजित हुए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत रू0 1560 करोड़ की धनराशि से 573397 किसान लाभान्वित हुए है। प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत 895685 गोल्डन कार्ड बनाए गए हैं तथा रू0 608 करोड़ की धनराशि से 48198 लाभार्थियों का उपचार कराया गया।

युवा सशक्तिकरण योजना के 05 लाभार्थियों को टैबलेट, फाइलेरिया रोगियों को किट, दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल, पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर रूफटॉप आवंटन पत्र, कुशल श्रमिकों को एफडीआर, अटल आवासीय विद्यालय में चयनित 33 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, पूर्ति विभाग द्वारा 04 लाभार्थियों को अनत्योदय कार्ड तथा कृषि विभाग की योजनान्तर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से इंदेमऊ गांव के राकेश कुमार को टैझक्टर की चाभी प्रदान की गयी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह सरकार योगियों की सरकार है, भोगियों की नहीं। पिछली सरकारें साठ वर्ष में जो नहीं कर पायी, हमने वह आठ वर्ष में करके दिखाया है। पहले कानून सिसकता था, अपराधी हंसते थे अब अपराधी सिसकते हैं और कानून हंसता है। उन्होने कहा कि हमारी सरकार सेफ्टी, कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रीसिटी पर विशेष ध्यान दे रही है। परिवर्तन इस कदर है कि पहले बिजली आने पर अखबार में छपता था अब बिजली जाने पर अखबार में छपता है। अध्यक्ष, जिला पंचायत उन्नाव शकुन सिंह ने कहा कि उन्नाव शिक्षा, उद्योग, व्यपार सभी दिशाओं में प्रगति कर रहा है।

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पति भूपराम की पालिसी संख्या 223747668 में नामिनी मिथिला देवी दर्ज है जबकि प्रार्थनी के समस्त कागजात शान्ति देवी के नाम से हैं अत:मिथिला देवी व शान्ति देवी एक ही नाम हैं। शान्ति देवी पत्नी स्व भूपराम निवासी ग्राम ताहरपुर परगना जमौर तहसील सदर जनपद शाहजहांपुर।

गोला में खुलेआम घूम रहे हैं आवारा जानवर, गोला नगर पालिका अंकुश लगाने में नाकाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर पालिका परिषद गोला की लापरवही के कारण इस समय गोला के नगर वासियों की जान का खतरा बना हुआ है। आपको बताते चलें कि 25 मार्च 2025 दिन मंगलवार समय लगभग 7:45 पर गोला के युवा पत्रकार ट हिंदुस्तान न्यूज़ चैनल के ब्यूरो चीफ नरेंद्र भारद्वाज किसी आवश्यक कार्य से अपनी बाइक पर सवार होकर सदर चौराहे की ओर जा रहे थे कि अचानक राम जानकी मंदिर के पास में दो साड आपस में भिड़ गए भिड़ंत इतनी तगड़ी थी कि चारों ओर अफरा तफरी का माहौल बन गया इस बीच बाइक पर सवार जा रहे नरेंद्र भारद्वाज उन साडो के चपेट में आ गए जिसके कारण वह लगभग 5 फीट दूर जाकर गिर गए जिससे उनके बाएं कंधे और बाएं पैर में काफी चोट आई टक्कर इतनी जोरदार थी की बाइक टूट कर चकनाचूर हो गई घटना को देखकर आसपास के खड़े लोग दौड़ पड़े जैसे तैसे साड को वहां से भगाया और बाइक उठाकर साइड में खड़ी की आज यह कोई घटना नई-नई है गोलानगर में ऐसी घटनाएं अक्सर देखने को मिलती हैं।

नगर के मोहल्ला गली सड़कों पर खुलेआम आवारा जानवर घूमा करते हैं जानवरों की चपेट में कब और कौन आ जाए कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन चिंता का विषय यह है की नगरपालिका परिषद गोला के अधिकारी वह कर्मचारी आवारा जानवरों पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। गोला नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के अंडर में दो दो गौशाले है और गोला नगर आवारा गोवंश की बाढ़ आ गई धर्मादं गौशाला के सामने 7:00 बजे सैकड़ो गोवंश रोड पर बैठी नजर आते हैं ऐसा ही हाल गोला नगर के विकास चौराहा स्थित गोवंश काफी तादाद में नजर आते हैं गोला नगर में जब भी गोला नगर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दौरा होता है तब नगर पालिका द्वारा आवारा गोवंश को पड़कर जंगलों में छोड़ा जाता है जहां पर कुछ गोवंश की मृत्यु हो जाती है कुछ भटकते रहते हैं गोला नगर के मोहल्लो में आवारा साडो की भरमार है जिन्हें मोहल्ले में छोटे-छोटे बच्चे व अन्य लोगों को साडो से जान माल का डर सता रहा है कई बार मोहल्ले में साडो ने बहुत को घायल कर दिया। नगर पालिका परिषद की लापरवाही से नगर में आवारा गोवंश का आतंक छाया हुआ है जब की आवारा गोवंश के लिए गौशालाएं बनाई गई हैं गौशाला में ना रख कर उन्हें बाहर रखा जाता है जिससे गोवंश के चराओ में बड़ी मात्र में गोलमाल किया जाता है गोला नगर में जब किसी बड़े नेता या अधिकारी का दौरा होता है तो नगरपालिका के कर्मचारी अपने दलबल के साथ सभी सुविधाओं को लेकर जानवरों को पकड़ने का काम करते हैं।

लेकिन उसके बाद गोलारनगर की स्थित जस की तस हीं नजर आती है आलम यह है कि सड़क के किनारे सुबह शाम और दोपहर को नगर की सड़कों के किनारे जानवर घूमते नजर आते हैं। इन जानवरों के रखरखाव के लिए क्या-क्या व्यवस्थाएं नगर पालिका के द्वारा है अधिकारी बताने में भी ताल मटोल किया करते हैं। लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि गोला नगर की जनता को इन आवारा जानवरों से कब निजात मिलेगी यह आज भी गर्भ में है।

इमलिया गांव के गन्ने के खेत में शावकों के साथ बाघिन, दहशत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। थाना हैदराबाद की अजान चौकी क्षेत्र के ग्राम इमलिया के पूरव सरायन नदी के किनारे गन्ने के खेत में बुधवार को सुबह गन्ना छिलाई करने के दौरान बाघ के शावक देखें जाने से हड़कंप मच गया। आसपास के खेतों में काम कर रहे मजदूर और ग्रामीण चीखते-चिल्लाते हुए मौके से भागने लगे। शावकों संग बाघिन की मौजूदगी के चलते ग्रामीणों और किसानों में दहशत है। दक्षिणी खीरी वन प्रभाग की महेशपुर वन रेंज क्षेत्र के ग्राम अजान निवासी कपिल,सोबरन ,रामपाल वर्मा, नीरू , राजेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, आदि ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब 9 बजे इमलिया गांव के पूरव सरायन नदी के किनारे गन्ने के खेत में छीलाई करने खेतों पर गए हुए थे। इसी दौरान गन्ने के खेत में बाघ के शावक दिखाई दिए। एक शावक गन्ने के खेत से बाहर निकलकर बाहर आ गया थोड़ी देर इधर उधर घूमने के बाद फिर गन्ने के खेत में शावक छिप गया। फिर थोड़ी देर बाद शावकों संग घूम रही बाघिन भी गन्ने के खेत में देखी गई।

इससे दहशत़ज़दा मजदूर छिलाई बंद कर गन्ने के बाहर आ कर खड़े हो गये। सूचना देने पर पहुंचे वन कर्मी संजय कुमार,सोमवारी, सचिन वर्मा, बहादुर,सर्वेश कुमार मौके पर पहुंच गए। वन विभाग की टीम ने खेत में दिखे शावकों को नहीं हटाया बल्कि दूर रहकर उनपर नजर रखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

गोला नगर सदर चौराहे पर स्थित इंदिरा पार्क के जीर्णोद्धार हेतु 6 सूत्रीय प्रार्थना पत्र सौंपा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी प्रहलाद पटेल की अगुवाई में आज दोपहर बाद लगभग 4:00 बजे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोला गोकर्ण नाथ छोटी काशी लखीमपुर खीरी विजय कुमार शुक्ला रिंकू जिन्हें गोला नगर सदर चौराहे पर स्थित इंदिरा पार्क के जीर्णोद्धार हेतु 6 सूत्रीय प्रार्थना पत्र सौंपकर पार्क की रंगाई पुताई से लेकर, पार्क पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर के काफी चर्चा हुई प्रार्थना पत्र पर तुरंत कार्यवाही के लिए आदेशित किया और चैती के मेले से पूर्व इंदिरा चौक पूरी तरह से सुसज्जित होगा ऐसा आश्वासन भी दिया हम सब ने उनको आभार सहित धन्यवाद दिया इस दौरान साथ में रामकुमार वर्मा, के के मिश्रा, पंकज पटेल, प्रेम कुमार वर्मा आदि जन उपस्थित रहे।

छत से गिरी महिला, मौत

शाहजहांपुर। जनपद के जलालाबाद क्षेत्र के गांव सुजावलपुर में बीती शाम राकेसा देवी 45वर्ष पत्नी रामदास छत से सरसों की तोरी लेने गई थी। जहां भरी हुई बोरी को नीचे डाल रही थी तभी अचानक उसी के साथ सड़क पर गिर गई। सिर के बल गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोग घायल महिला को जलालाबाद के निजी अस्पताल ले गए।जहां डाक्टरो ने मना कर दिया.।उसके बाद परिजन सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। महिला के 5बालक है,एक लड़का और एक लड़की की शादी हो गयी।जबकि तीन लड़कों की शादी नहीं हुई है. घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। इसके बाद पर जिन्होंने गांव में ही महिला का अंतिम संस्कार कर दिया।

' श्री विशम्भर दयाल त्रिपाठी प्रतिभा सम्मान से किया जाएगा पुरस्कृत

बाँगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर रूरी स्थित विशम्भर दयाल त्रिपाठी राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर कृष्णकांत दुबे ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पं. विशम्भर दयाल त्रिपाठी की 125 वीं जयंती के अवसर पर 05 अक्टूबर 2024 से प्रारंभ हुए 'जयंती माह' के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को (आज)27 मार्च प्रातः 10 बजे महाविद्यालय में आयोजित होने वाले 'जयंती माह समापन समारोह' मे पुरस्कृत किया जायेगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चन्देल उपस्थित हो रहे हैं । वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विशम्भर दयाल त्रिपाठी की सुपुत्री एवं केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा के आसाम केंद्र की सेवा निवृत्त क्षेत्राधिकारी डॉ. रश्मि दीक्षित जी करेगीं । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय, कानपुर के निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद डॉक्टर आर. के. द्विवेदी जी, वरिष्ठ साहित्यकार धीरेन्द्र शुक्ला एवं डी. ए. वी. पी. जी. कॉलेज, कानपुर के वरिष्ठ प्रोफ़ेसर ०हिंदी विभागाध्यक्ष लोकप्रिय कवि डॉ. राजेश तिवारी 'विरल' उपस्थित होगें। समारोह में कुल 80 प्रतिभाओं को श्री विशम्भर दयाल त्रिपाठी के नाम पर संचालित विभिन्न अलंकरणों एवं उपाधियों से विभूषित किया जायेगा । महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल पचास प्रतिभागियों को ' श्री विशम्भर दयाल त्रिपाठी प्रतिभा सम्मान से पुरस्कृत किया जाएगा ।

शौक पूरे करने को करते थे वाहन चोरी, चोरी की बाइक ने खोली पोल

झांसी। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत देर रात स्वाट और प्रेमनगर पुलिस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने ग्रोथ सेंटर के जंगलों में छापेमारी कर दो शातिर बदमाशों को दबोच कर उनके कब्जे से भारी संख्या में चोरी की बाइक, ट्रैक्टर,आपे सहित तमंचे कारतूस बरामद कर किए है। इनमें बीते दिनों बिजौली क्षेत्र के एक ही परिवार से चुराई बुलेट समेत तीन गाड़ियां भी शामिल हैं। ये अंतरराज्यीय चोर अपने शौक पूरे करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। एसपी सिटी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि देर रात प्रेमनगर थाना प्रभारी निरीक्षक सरिता मिश्रा व स्वाट टीम प्रभारी जितेंद्र सिंह तक्खर अपनी टीमों के साथ अपराधियों की धर पकड़ में मामूर थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि दो शातिर अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए झांसी-ललितपुर राजमार्ग स्थित ग्रोथ सेंटर के जंगलों में छिपे हैं।

संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान के अंतर्गत एक बैठक का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। नगर पंचायत मैलानी जनपद खीरी में संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान के अन्तरगत एक बैठक का आयोजन निकाय में किया गया जिसमें डेंगू, चिकनगुनिया, रोगों से बचाव के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। कीर्ति माहेश्वरी अध्यक्षा, राजेश चौधरी अधिशासी अधिकारी, प्रवीण कुमार मिश्रा फार्मासिस्ट, ओम प्रकाश, मुश्ताक अली, रामशंकर, राजकुमार, मनोज कुमार, विकास कुमार, विजय कुमार, सूरज प्रसाद, राशिद हुसैन, अजीत यादव, नरेन्द्र वर्मा व दिलीप कुमार सभासदगण/सभासद समाजसेवी भवानी शंकर माहेश्वरी उर्फ बंटी, जैनेन्द्र लेखपाल, तौसीफ हैदर लिपिक, दिलशाद हुसैन, इमरान, राहुल शर्मा, शान मोहम्मद, बिपिन कुमार, जोगेंद्र कुमार सहगल, बालकराम कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

हिन्दू समाज के राष्ट्रीवादी विचार धारा के लोगों द्वारा मिलन समारोह का आयोजन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला विधानसभा के अंतर्गत कस्बा अमीरनगर में हिन्दू समाज के राष्ट्रवादी विचार धारा के लोगों द्वारा हिन्दू मिलन समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्यअतिथि विपिन मिश्रा जी रहे साथ ही सैकड़ो की संख्या में सनातनधर्मी कार्यक्रम में उपस्थित होकर एक दूसरे से गले मिले कार्यक्रम में मुख्यअतिथि विपिन मिश्रा ने कहा कि इस कार्यक्रम का एक ही उद्देश्य है सम्पूर्ण सनातन धर्मियों को संगठित करना क्योंकि अगर सनातन धर्मी संगठित नहीं रहेंगे तो छेत्र के कुछ नेता जिनकी मानसिकता मुगलिया ताकतों कि गुलामी करना है औऱ उन्हें संरक्षण देने के साथ साथ हिन्दुओं का शोषण करना है हमें ऐसे नेताओं का सामाजिक एवं राजनीतिक करना चाहिए विपिन मिश्रा जी ने कहा कि जल्द ही समाजवादी पार्टी के एक नेता द्वारा हम सबके आदर्श जिन्होंने हिंदुत्व एवं राष्ट्र कि रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले राणा सांगा जी को गद्दार कहा गया औऱ अखिलेश यादव द्वारा इसका समर्थन भी किया गया हम सबको ऐसे नेताओं का खुलकर विरोध करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा सुरक्षा एवं सुशासन कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। नगर पंचायत मैलानी जनपद खीरी में उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ''सेवा सुरक्षा एवं सुशासन'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें निकाय द्वारा कराए गए विकास कार्यों के बारे में जनसभा को संबोधित किया गया। सरकार द्वारा कराये गये विकास कार्य प्रधानमंत्री आवास योजना, पी0एम0 स्वनिधि योजना, कान्हा गौशाला का निर्माण, पार्क का निर्माण, एम0आर0एफ0 सेन्टर, ऑडिटोरियम, बारात घर, पिंक शौचालय, सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों का निर्माण, व्यक्तिगत शौचालय हेतु धनराशि वितरण, सड़कों का निर्माण, नाले/नालियों का निर्माण, इत्यादि का कार्य कराये गए तथा निकाय में प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, एवं दिव्याँगजन पेंशन से सम्बन्धित लाभार्थियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना से संबंधित 5, वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित 60, निराश्रित महिला पेंशन से सम्बन्धित 50, दिव्यांग पेंशन से सम्बन्धित 10 लाभार्थियों का त्वरित निस्तारण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कीर्ति माहेश्वरी अध्यक्षा नगर पंचायत मैलानी की उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन किया गया। जिसमें राजेश चौधरी अधिशासी अधिकारी, ओम प्रकाश, मुश्ताक अली, रामशंकर, राजकुमार, मनोज कुमार, विकास कुमार, विजय कुमार, सूरज प्रसाद, राशिद हुसैन, अजीत यादव, नरेन्द्र वर्मा व दिलीप कुमार सभासदगण, सभासद पति, समाजसेवी भवानी शंकर माहेश्वरी उर्फ बंटी, जैनेन्द्र लेखपाल, तौसीफ हैदर लिपिक, दिलशाद हुसैन, इमरान, राहुल शर्मा, शान मोहम्मद, बिपिन कुमार, जोगेंद्र कुमार सहगल, बालकराम कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कैम्प में संबंधित विभागों से विकास गुप्ता, रामकुमार, वरुण शुक्ला,विकास वर्मा, उपस्थित रहे।

प्रदेश में पीडीए के जरिए बदलाव की बयार : रेहान खान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलिया कला खीरी। पलिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पतवारा में पीडीए जन पंचायत का आयोजन हुआ। समाजवादी पार्टी ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से कमर कस ली है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश के सभी जनपदों में बूथ स्तर तक पीडीए पंचायत का आयोजन शुरू हो गया है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान ने पलिया के ग्राम पतवारा में एक पीडीए बैठक का आयोजन किया जिसमें काफी महिलाओं और ग्रामीणों की भीड़ जुटी। कार्यक्रम में तमाम विकलांगों को डाक्टर ए के अवस्थी द्वारा साइकिल बांटी गई। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा से निपटने के लिए सपा अध्यक्ष के निर्देशानुसार कार्यकर्ताओ को घर-घर पीडीए पर्चा पहुंचाने की अपील की गई है। साथ ही जनता को यह समझाने के लिए भी कहा गया है कि प्रभुत्ववादी हमेशा से बाबा साहेब के खिलाफ रहे हैं और वो समय-समय पर उनके अपमान के लिए तिरस्कारपूर्ण बयान भी देते रहे हैं। क्योंकि बाबा साहेब सदैव से एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने संविधान बनाकर शोषणात्मक-नकारात्मक प्रभुत्ववादी सोच पर पाबंदी लगाई थी।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान ने कहा कि पीडीए समाज के हर युवक, युवती, महिला, पुरूष ने ये ठान लिया है कि वो सामाजिक एकजुटता से राजनीतिक शक्ति प्राप्त करके अपनी सरकार बनाएंगे। बाबा साहेब और उनके संविधान को अपमानित और खारिज करने वालों को हमेशा के लिए सत्ता से हटा देंगे। इसके साथ ही जो प्रभुत्ववादी और उनके संगी-साथी संविधान की समीक्षा के नाम पर आरक्षण को हटाने, नौकरी में आरक्षण का हक मारने का बार-बार षडयंत्र रचते हैं, उन्हें ही हटा देंगे। इसके बाद ही जाति जनगणना हो सकेगी। पीडीए समाज को उनकी गिनती के हिसाब से उनका हक और समाज में उनकी भागीदारी के अनुपात में सही हिस्सा मिल पाएगा।कार्यक्रम में ब्लाक महासचिव राजा खान, संतोष गौतम रहीश बेग नंदलाल कश्यप इस्लाम हुसैन उर्मिला देवी लीलावती मैंना देवी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पिता ने मुख्यमंत्री से वार्षिक परीक्षा दिलाने की लगाई गुहार

बांगरमऊ-उन्नाव। निजी विद्यालय के शिक्षक ने एक छात्र की जमकर पिटाई कर दी थी। पिटाई से छात्र की हालत बिगड़ जाने पर पिता ने शिक्षक के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। इसी से नाराज़ स्कूल संचालक ने उसके दो बच्चों को परीक्षा देने पर रोक लगा दी है। पिता ने मुख्यमंत्री से दोनों बच्चों की वार्षिक परीक्षा दिलाने की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रबड़ी निवासी देवी प्रसाद पुत्र गुरुदयाल द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रेषित शिकायती पत्र में कहा गया है कि उसका बेटा विश्वजीत और बेटी आकांक्षा नगर के मोहल्ला गोल कुआं स्थित बाल विद्या मंदिर में क्रमशः कक्षा 8 और कक्षा 5 में पढ़ते हैं। बीते 18 दिसंबर को ट्यूशन पढ़ने के लिए दबाव बनाने को लेकर नगर के मोहल्ला बजरिया निवासी शिक्षक रवि दीक्षित ने उसके बेटे विश्वजीत की निर्मम पिटाई कर दी थी। जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई थी। तब से बेटे का इलाज सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल कानपुर में चल रहा है। आरोप है कि बीते 18 मार्च को वह अपने बेटे विश्वजीत और बेटी आकांक्षा को लेकर वार्षिक परीक्षा दिलाने विद्यालय गया तो स्कूल के प्रबंधक और मालिक ने परीक्षा में बैठाने से इंकार कर दोनों बच्चों को भगा दिया।

मौलाना शहाबुद्दीन ने स्वागते मोदी पहल का किया स्वागत, बोले इस सोच सकरात्मक सोच पैदा होगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली । ईद के त्योहार पर सरकार ने मुस्लिमों के बीच खुशियां बांटने के मकसद से नई पहल करते हुए स्वागते मोदी शुरू की है जिसके तहत सरकार घर उपहार भेजने की तैयारी में है। इस मामले में ऑल इंडिया मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शाहबुद्दीन रजवी बरेलवी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से ईद के मौके पर स्वागते मोदी के नाम से मुसलमानो को दिए जाने वाले उपहार का का स्वागत किया है। मौलाना ने कहा कि मोदी जी मुसलमानो से अच्छे रिश्ते रखना चाहते हैं । उन्होंने सबसे ज्यादा मुस्लिम देशों की यात्रा की , मुस्लिम देशों में मोदी जी का जोरदार स्वागत किया गया, और बाज अरब देशों का जो सबसे बड़ा सम्मान होता है, उस सम्मान से मोदी जी को नवाजा गया यही वजह है कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से लाखों मुसलमानो को ईद का तोहफा स्वागते मोदी के नाम से दिया जा रहा है, इस तोहफ़े के पैकेट में खाने पिने की चिजें ,सिवईयां और कपड़े आदि चीजे है।मौलाना ने यह भी कहा ये तोहफा अपने आप में उन लोगों के लिए भी जवाब है, जो लोग नफरत फ़ैलाने भड़काने और उकसाने का काम करते हैं। और उन लोगों को भी जवाब है, जो लोग हमेशा हिंदू और मुसलमानो के दरमियान टकराव पैदा करने की राजनीति करते हैं। मोदी जी के इस कदम से मुसलमानो के दरमियान एक सकारात्मक सोच पैदा होगी।

ग्राम प्रधानों से रिकवरी का आदेश पर अखिल भारतीय प्रधान संगठन ने जताया विरोध

- अखिल भारतीय प्रधान संगठन ने जिला अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। अखिल भारतीय प्रधान संगठन द्वारा बरेली जिला अधिकारी को एक ज्ञापन दिया गया जिसमें ब्लॉक नवाबगंज में लोकपाल मनरेगा के द्वारा की गई शिकायत की जांच में सीआईवी बोर्ड पर एवं महिला श्रमिकों एवं वृक्षारोपण कार्यों पर रिकवरी निकाली गई जो उचित नहीं है मौके पर सीआईवी बोर्ड लगा है । जिसके फोटोग्राफ पंचायत की फाइलों में संलग्न है।

अखिल भारतीय प्रधान संगठन के अध्यक्ष सुदेश पाण्डेय का कहना है कि जिन कार्यों पर सीआईवी बोर्ड नहीं लगा है ।उसका कोई भी भुगतान ग्राम पंचायत द्वारा नहीं किया गया है जबकि मनरेगा योजना में रिकवरी का प्रावधान तब होता है। जब किसी भी सामग्री को मौके पर कार्यों में ना लगाया गया हो और उसका भुगतान कर दिया गया हो सीआईवी बोर्ड पर 4 गुना रिकवरी निकाली गई ,जबकि सीआईवी बोर्ड मौके पर लगा नहीं पाया गया और ना ही उसका कोई भुगतान किया गया सीआईवी बोर्ड के रुपए गबन करने का आरोप पूरी तरह से गलत है।

सरकार द्वारा ग्राम पंचायत में सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत कार्य मनरेगा योजना से ग्राम पंचायत में उद्यान विभाग से पंजीकृत नर्सरी से पौधों का खरीद किया गया ,जिसके भुगतान फर्म के खाते में मनरेगा योजना से किया गया जबकि जिन पौधों का भुगतान व्यक्तिगत नर्सरी से किया गया जो सरकारी नर्सरी पर उपलब्ध नहीं थी जिसके फलस्वरूप छायादार व फ़लदार वृक्ष सरकारी नर्सरी पर उपलब्ध न होने के कारण व्यक्तिगत नर्सरी से खरीदे गए इन पौधों को लगाने की मजदूरी मनरेगा श्रमिकों के खाते में सीधे जाती है लोकपाल द्वारा सामग्री भुगतान पर पूर्ण रिकवरी निकाली गई जो उचित नहीं है ।ग्राम पंचायत में सत्र 2021-22 में मनरेगा योजना के अंतर्गत कुछ पक्के कार्य कराए गए जिनकी आईडी ब्लॉक द्वारा बनाई गई इन कार्यों का प्राकलन तकनीकी सहायक के बनाने के पश्चात कार्यों की तकनीकी वित्तीय स्वीकृति बीडीओ द्वारा की गई है जो कार्य ग्राम प्रधान द्वारा पूर्ण कराए गए उनका भुगतान प्रथम डोगल ब्लॉक द्वारा मनरेगा अकाउंटेंट के द्वारा लगाया है ।द्वितीय डोंगल उसके उपरांत तृतीय डोगल सक्षम अधिकारी बीडीओ द्वारा लगाया गया इसमें पूर्ण रिकवरी निकाली गई है जो पूरी तरह से गलत है अखिल भारतीय प्रधान संगठन इसका विरोध करता है । जिलाधिकारी से उचित जांच कर न्याय की प्रतीक्षा करता है। ज्ञापन देने वाले ग्राम प्रधान में हेतराम सागर , हरीश कुमार , जमुना देवी, बी एल भास्कर, श्यामा चरन आदि मौजूद थे।

ऐतिहासिक मेला चैती की तैयारियों का पालिका परिवार के साथ नगर पालिका अध्यक्ष ने जायजा लिया

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला छोटी काशी ऐतिहासिक चैती मेला का शुभारंभ समय से हो इसके लिए नगर पालिका प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। ऐतिहासिक चैती मेला की तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए पालिका प्रशासन और सभासदों के साथ मेला मैदान पहुंच कर व्यवस्थाओं को देखकर शीघ्र सफाई एवं समतलीकरण करके दुकानों का आवंटन करने का निर्देश दिया और कहा- मेला चैती समय के साथ अपनी भव्यता पहुंचेगा। इस अवसर पर सभासद आनंद किशोर गिरि, कफील, हर्ष अवस्थी, दानिश राइन,अधिशाषी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, मोहित अवस्थी, सफाई नायक दिलीप कुमार, राजेन्द्र कुमार, गोविन्द कुमार, नरेश कुमार, संजय कुमार सहित अनेक सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

सिलेंडर पाइप में आग लगने से मां बेटे झुलसे, अस्पताल में भर्ती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली । फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के गांव बलिया में बुधवार को एक गंभीर हादसा हुआ। गैस सिलेंडर का पाइप फटने से रसोई में आग लग गई। इस हादसे में मां और बेटा दोनों झुलस गए। घटना बुधवार सुबह के समय की है, जब गीता देवी रसोई में खाना बना रही थीं। अचानक गैस सिलेंडर का पाइप फट गया और आग लग गई। गीता देवी के कपड़ों में आग लग गई। उनकी आवाज सुनकर बेटा अमित कुमार मौके पर पहुंचा। मां को बचाने के प्रयास में वह भी आग की चपेट में आ गया।परिजनों ने तुरंत दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जिला अस्पताल के ईएमओ के अनुसार, गीता देवी को बर्न वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। अमित कुमार का भी अस्पताल में इलाज जारी है। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

हैदराबाद की आक्रामक बल्लेबाजी से सतर्क रहना होगा लखनऊ को

एजेंसी

हैदराबाद। पहले मैच में पराजय का सामना करने वाली लखनऊ सुपर जॉइंट्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अगले मैच में गुरुवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जिसके बल्लेबाज किसी भी तरह के आक्रमण की बखिया उधेड़ने में माहिर हैं। पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स की टीम ने इस सत्र में भी अपने आक्रामक अंदाज बरकरार रखे हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में उसकी टीम आईपीएल में अपने सर्वोच्च स्कोर के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच गई थी। सनराइजर्स ने यह मैच 44 रन से जीता था। पैट कमिंस की अगुवाई वाली सनराइजर्स की टीम के पास कई विस्फोटक बल्लेबाज हैं और ऐसे में ऋषभ पंत के नेतृत्व वाली टीम के लिए अपने प्रमुख गेंदबाजों की अनुपस्थिति में उन पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी थी और छह विकेट पर 286 रन बनाए थे जिसमें ईशान किशन का शतक भी शामिल है। ऐसा लग रहा था कि किशन एक मिशन पर हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस द्वारा छोड़े जाने के बाद आईपीएल में अपना पहला शतक जड़ा और 47 गेंदों में नाबाद 106 रन की पारी में छह छक्के और 11 चौके लगाए। किशन के अलावा सनराइजर्स की टीम में अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। यही नहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने पिछले मैच में रन बना कर जतला दिया था कि उनको किसी भी तरह से कम करके आंकना गलती होगी। ऐसी परिस्थितियों में लखनऊ को गेंदबाजी विभाग में स्पष्ट योजना के साथ मैदान पर उतरना होगा क्योंकि छोटी सी गलतियां भी काफी महंगी साबित हो सकती हैं। लखनऊ को पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से एक विकेट की करीबी हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ के कप्तान पंत पिछले मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे। यही नहीं विकेट कीपिंग में भी उन्होंने गलतियां की। दिल्ली के पास जब केवल एक विकेट बचा था और उसे अंतिम ओवर में छह रन की जरूरत थी तब पंत स्टंपिंग का आसान मौका चूक गए थे। लखनऊ के लिए पिछले मैच में मिशेल मार्श और निकोलस पूरण ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अर्ध शतक लगाए थे तथा टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। लखनऊ के मध्यक्रम के बल्लेबाजों को हालांकि बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में स्पिनर रवि बिश्नोई को छोड़कर लखनऊ के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। उसका तेज गेंदबाजी विभाग कुछ प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने से कमजोर पड़ गया है और ऐसे में शार्दुल ठाकुर की जिम्मेदारी बढ़ जाती है जिन्हें लखनऊ ने पहले मैच से ठीक पहले मोहसिन खान की जगह अपनी टीम से जोड़ा था।

टीम इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, एडम ज़म्पा, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्कराम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया, टी-20 सीरीज भी जीती

एजेंसी

वेलिंग्टन। जेम्स नीशम (पांच विकेट) और जैकब डफी (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद टिम सीफर्ट (नाबाद 97) की विस्फोटक पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को पांचवें और आखिरी टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 10 ओवर शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों सीरीज भी 4-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान के 128 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टिम सीफर्ट और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में सुफियान मुकीम ने फिन एलन को बोल्ड कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। फिन एलन ने 12 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (27) रन बनाये। नौवें ओवर में मार्क चैपमैन (तीन) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें सुफियान मुकीन ने आउट किया। टिम सीफर्ट ने 38 गेंदों में 10 छक्के और छह चौके लगाते हुए (नाबाद 97) रनों की विस्फोटक पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 10 ओवर में दो विकेट पर 131 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जेम्स नीशम को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा टिम सीफर्ट को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। पाकिस्तान की ओर से सुफियान मुकीम को दो विकेट मिले। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 25 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। हसन नवाज (शून्य), उमर युसूफ (सात) और मोहम्मद हरिस (11) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये कप्तान आगा सलमान ने पारी को संभालने का प्रयास किया। इसके बाद उस्मान खान (सात), अब्दुल समद (चार) नीशम ने आउटकर पवेलियन भेज दिया।

बीएफआई ने चुनाव स्थगित किए, कहा मूल समय-सीमा के अंदर प्रक्रिया पूरी करना असंभव

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने 28 मार्च को होने वाले अपने चुनाव बुधवार को स्थगित करते हुए कहा कि दिल्ली और हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालयों द्वारा संस्था को निर्वाचक मंडल से हटाए गए नामों को बहाल करने का निर्देश दिए जाने के बाद 'मूल रूप से तय समय-सीमा के अंदर प्रक्रिया पूरी करना असंभव है'। बीएफआई ने अपने सदस्य इकाइयों को एक अधिसूचना में कहा, ''आपको सूचित किया जाता है कि बीएफआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) स्थगित कर दी गई है जो 28 मार्च 2025 को होने वाली थी। एजीएम के दौरान पदाधिकारियों के चुनाव होने थे। बीएफआई ने कहा कि एजीएम को स्थगित करने का फैसला निर्वाचन अधिकारी (सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति) आरके गौबा के 21 मार्च के आदेश के बाद जरूरी हो गया था। अधिसूचना में कहा गया है, ''निर्वाचन अधिकारी ने पाया कि न्यायालय के आदेशों और निर्वाचक मंडल सूची में अनिवार्य जुड़ाव के कारण आदर्श चुनाव संहिता के अनुसार मूल रूप से निर्धारित समयसीमा के भीतर चुनाव प्रक्रिया को जारी रखना और पूरा करना व्यावहारिक रूप से असंभव है। निर्वाचक मंडल को 13 मार्च को अंतिम रूप दिया गया था जबकि नामांकन की विंडो 14 से 16 मार्च तक थी। अपने आदेश में गौबा ने कहा कि दोनों न्यायालय के आदेशों के अनुसार आदर्श चुनाव संहिता के तहत बीएफआई द्वारा कुछ कदम उठाए जाने जरूरी हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि आदर्श चुनाव संहिता चुनाव प्रक्रिया के लिए समय-सीमा निर्धारित करती है और निर्वाचक मंडल सूची में उपर्युक्त अनिवार्य बदलाव के साथ चुनावी प्रक्रिया को मौजूदा सूची के तहत जारी रखना और पूरा करना व्यावहारिक रूप से असंभव हो जाता है।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में जैकब डफी की बड़ी छलांग, टॉप-5 गेंदबाजों में पहुंचे

एजेंसी

दुबई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की आईसीसी मेंस टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में जबरदस्त उछाल जारी है। पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के बाद डफी ने सात स्थानों की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान (694 रेटिंग अंक) पर कब्जा कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को ताजा पुरुष टी20 रैंकिंग जारी की, जिसमें डफी ने अपनी स्थिति और मजबूत की। पिछले हफ्ते उन्होंने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई थी और अब लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते वह करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पहले दो मैचों में कुल छह विकेट चटकाए थे, जबकि अगले दो मुकाबलों में पांच और विकेट लेकर अपनी रैंकिंग को ऊंचाई तक पहुंचा दिया। पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने भी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 11 स्थानों की छलांग लगाकर 15वें स्थान (632 रेटिंग अंक) पर जगह बना ली है। उन्होंने पिछले दो मैचों में 3/27 और 3/29 के प्रभावशाली आंकड़े दर्ज किए थे। वहीं, उनके हमवतन अब्बास अफरीदी ने भी आठ स्थानों की छलांग लगाकर 36वें स्थान पर जगह बना ली है। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। वह भारत के अभिषेक शर्मा और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से आगे हैं। न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन ने बल्लेबाजी रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई। उन्होंने 10 स्थानों की छलांग लगाकर 41वां स्थान हासिल किया। यह सुधार उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में 44 गेंदों पर 94 रनों की धमाकेदार पारी और एक तेजतर्रार 24 रन की पारी के बाद किया। न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल ने टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने 12 स्थानों की छलांग लगाकर 14वां स्थान (141 अंक) प्राप्त किया। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 26 गेंदों पर नाबाद 46 और 18 गेंदों पर 31 रनों की पारी खेली थी। हाल ही में नामीबिया और कनाडा के बीच खेले गई टी20 सीरीज के बाद भी कुछ बदलाव देखने को मिले। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप-10 में बने हुए हैं, जबकि उनके साथी निको डेविन बल्लेबाजी रैंकिंग में 27 स्थानों की छलांग लगाकर 68वें स्थान (450 रेटिंग अंक) पर पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश से ड्रॉ के बाद नाराज निराश मार्केज ने कहा, भारत तीन कदम पीछे चला गया

शिलांग। एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग दौर के मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ पर नाराज और निराश भारतीय मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने कहा कि पिछले साल उनके नेतृत्व में पहले मैच के बाद से उनकी टीम दो-तीन कदम पीछे चली गई। दो चिर परिचित प्रतिद्वंद्वियों के बीच हुए संघर्षपूर्ण मुकाबले के बाद भारतीय कोच ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने सभी विभागों में बहुत खराब खेल दिखाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने मंगलवार रात मैच के बाद कहा, ''मैं वास्तव में नाराज और निराश हूं। अगर आप मुझसे पूछें तो शायद आज मेरे करियर की सबसे मुश्किल प्रेस कांफ्रेंस है। क्योंकि मैं इस समय अपने दिमाग में चल रही सभी बातें नहीं कहना चाहता। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''जब हमने हैदराबाद में मॉरीशस के खिलाफ (सितंबर 2024 में इंटरकॉन्टिनेंटल कप में) एक ट्रेनिंग सत्र के साथ शुरुआत की थी, तब से आज के मैच से पहले तक हर बार प्रदर्शन बेहतर होता रहा। पर आज हम दो या तीन कदम पीछे हट गए। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा, विशेषकर पहले हाफ में। दूसरे हाफ में प्रदर्शन बेहतर रहा, लेकिन इतना ही काफी नहीं। हमें एक अंक मिला, यही सबसे अच्छी बात है। मार्केज ने कुछ चोटिल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का जिक्र किया लेकिन कहा कि यह खराब प्रदर्शन के लिए कोई बहाना नहीं है। उन्होंने कहा, ''काफी अहम खिलाड़ी (शुरुआत करने वाले) यहां इस प्रतियोगिता में नहीं हैं। वे सभी चोटिल हैं। लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। उन्होंने ब्रैंडन फर्नांडिस, मनवीर सिंह और लालियानज़ुआला चांगटे की चोटों का जिक्र करते हुए यह बात कही। मार्केज ने कहा, ''सबसे पहले, यह वास्तविकता है। लेकिन दूसरी बात, हमें हमेशा सुधार करने की जरूरत होती है। अच्छी फुटबॉल खेलते हुए भी, आपको हमेशा सभी विभागों में सुधार करने की जरूरत होती है जिसमें रक्षण, आक्रमण, सेट-पीस, हर चीज में। उन्होंने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, '' आज हमारा दिन नहीं था। सबसे अच्छी बात यह है कि सभी चार टीमें एक अंक के साथ हैं और हमारे पास पांच मैच हैं। हम दूसरे दौर में शून्य से शुरूआत करेंगे। मिडफील्डर लालेंगमाविया राल्टे ने कहा कि टीम भाग्यशाली रही कि यह मुकाबला ड्रॉ रहा। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात से सहमत हूं कि हम भाग्यशाली हैं कि हमने गोल नहीं गंवाया। भाग्यशाली रहे कि यह ड्रॉ रहा। हम इससे काफी बेहतर कर सकते थे। जुलाई 2024 में भारतीय मुख्य कोच पद की जिम्मेदारी संभालने वाले मार्केज ने इस बात को खारिज कर दिया कि उनके खिलाड़ियों में अनुभव की कमी थी। उन्होंने कहा, ''अनुभव या कम अनुभव की बात नहीं है। आप मैच में इसी तरह खेलते हो, शुरूआत करते हो और फिर दबदबा बनाते हो।

मेस्सी और अर्जेंटीना की टीम अक्टूबर में प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भारत आएगी

नयी दिल्ली। भारत में फुटबॉल प्रशंसकों को अक्टूबर में केरल में एक प्रदर्शनी मैच में लियोनेल मेस्सी और उनकी अर्जेंटीना टीम की एक और झलक देखने को मिलेगी। विश्व कप विजेता कप्तान मेस्सी का यह 14 साल बाद भारत का दूसरा दौरा होगा। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमन ने पिछले साल नवंबर में अर्जेंटीना की टीम का केरल का दौरा करने और कोच्चि में दो दोस्ताना मैच खेलने की घोषणा की थी। एचएसबीसी इंडिया बुधवार को भारत में फुटबॉल के सहयोग और प्रचार के लिए अर्जेंटीना की टीम का आधिकारिक साझेदार बन गया। उसने घोषणा की कि मैच अक्टूबर में आयोजित किए जाएंगे। एचएसबीसी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साझेदारी के तहत दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी सहित अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भारत का दौरा करेगी। विज्ञप्ति के अनुसार कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) और एचएसबीसी ने आज भारत और सिंगापुर के लिए एक साल की नई साझेदारी की है, जो 2026 विश्व कप क्वालीफिकेशन के अंतिम चरण के मैचों से पहले 2025 में प्रतिस्पर्धी सत्र को कवर करेगी। मेस्सी इससे पहले सितंबर 2011 में कोलकाता में वेनेजुएला के खिलाफ विश्व कप क्वालीफाइंग राउंड मैच खेलने के लिए भारत आए थे। अर्जेंटीना ने साल्ट लेक स्टेडियम में खेला गया वह मैच 1-0 से जीता था।

भारती एयरटेल ने स्पेक्ट्रम बकाया मद में 5,985 करोड़ रुपये का समय से पहले भुगतान किया

नयी दिल्ली। भारती एयरटेल और उसकी अनुषंगी भारती हेक्साकॉम ने उच्च लागत वाली स्पेक्ट्रम देनदारी के लिए दूरसंचार विभाग को समय से पहले 5,985 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया है। दूरसंचार कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एयरटेल की अनुषंगी कंपनी नेटवर्क आई2आई ने भी स्वैच्छिक रूप से एक अरब डॉलर मूल्य की 'स्थायी प्रतिभूतियों' (परपेचुअल बॉन्ड) को भुनाया है। सुनील मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी ने कहा, ''भारती एयरटेल और उसकी अनुषंगी कंपनी भारती हेक्साकॉम ने दूरसंचार विभाग को अतिरिक्त 5,985 करोड़ रुपये का समय से पहले भुगतान किया है। इसके साथ 2024 की नीलामी से संबंधित 8.65 प्रतिशत की उच्च लागत वाली ब्याज देनदारियों का समय से पहले पूरा भुगतान हो गया है। कंपनी के अनुसार, ''एयरटेल ने अपनी उच्च लागत वाली स्पेक्ट्रम देनदारियों का अग्रिम भुगतान जारी रखा है। इससे उसका कर्ज और ऋण की लागत कम हो रही है। यह वित्तीय सूझबूझ, परिचालन दक्षता और मजबूत पूंजी स्थिति के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एयरटेल ने अब चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उच्च लागत वाली स्पेक्ट्रम देनदारियों के 25,981 करोड़ रुपये का समय पूर्व भुगतान कर दिया है। इसके साथ कंपनी ने अबतक संचयी रूप से स्पेक्ट्रम देनदारी मद में 66,665 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। कंपनी के अनुसार, ''इन भुगतान के परिणामस्वरूप, एयरटेल ने स्पेक्ट्रम देनदारियों पर अपने ऋण की लागत को घटाकर औसतन लगभग 7.22 प्रतिशत कर दिया है।

बंद हुई मध्यम और दीर्घ अवधि वाली गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम, लघु अवधि के लिए जमा करा सकेंगे सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा पिछले 10 साल से चलाई जा रही गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम (जीएमएस) आज से बंद कर दी गई। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक इस स्कीम के तहत सरकार द्वारा नामित कलेक्शन एंड प्योरिटी टेस्टिंग सेंटर (सीपीटीसी) या सरकार द्वारा नामित बैंक की शाखाओं पर आज से मध्यम अवधि और दीर्घ अवधि वाली स्कीम में सोने को जमा नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार ने यह फैसला गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम के परफॉर्मेंस और बाजार की स्थितियों को देखते हुए लिया है। गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम की शुरुआत 15 सितंबर 2015 को हुई थी। इसके तहत लोग अपने घर में पड़े सोने को अपनी इच्छा के अनुसार 1 से 3 साल की शॉर्ट टर्म बैंक डिपॉजिट (एसटीबीडी), 5 से 7 साल की मीडियम टर्म गवर्नमेंट डिपॉजिट (एमटीजीडी) या 12 से 15 साल की लॉन्ग टर्म गवर्नमेंट डिपॉजिट (एलटीजीडी) में जमा कर सकते थे। सोना जमा करने पर जमाकर्ताओं को सरकार की ओर से गोल्ड बॉन्ड इश्यू किया जाता था। ये बॉन्ड 5 ग्राम, 10 ग्राम, 50 ग्राम और 100 ग्राम के होते थे। सोना जमा करने के बाद जमाकर्ताओं को ब्याज का भुगतान किया जाता था। ब्याज की राशि सोना जमा करते वक्त उसकी मार्केट प्राइस के आधार पर तय की जाती थी। जानकारों का कहना है कि इस स्कीम को लॉन्च करने के पीछे सरकार का इरादा सोने के आयात में कमी लाने का था। भारत में हर साल करीब 800 टन सोने की खपत होती है, जबकि भारतीय खदानों से सालाना 1 टन सोने का ही उत्पादन हो पता है। इस तरह भारत में सोने की जरूरत को पूरा करने के लिए हर साल बड़े पैमाने पर सोने का आयात करना पड़ता है, जिसके कारण देश के आयात बिल में तो बढ़ोतरी होती ही है, विदेशी मुद्रा भी बड़े पैमाने पर खर्च होती है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार की ओर से सोचा गया था कि गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम शुरू करने से लोग घर में पड़े सोने को जमा करने के लिए प्रेरित होंगे, जिससे उन्हें सोने की सुरक्षा की चिंता भी नहीं करनी होगी और उसके एवज में उन्हें इंटरेस्ट के रूप में अच्छी कमाई भी होगी। ऐसा होने पर सरकार पर सोने के आयात का दबाव काफी कम हो सकता था। हालांकि इस स्कीम को सरकार की उम्मीद की तुलना में काफी कम रिस्पॉन्स मिला, जिसकी वजह से अंततः इस स्कीम को बंद करने का फैसला लिया गया। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता के अनुसार केंद्र सरकार ने इस स्कीम से हाथ जरूर खींच लिया है, लेकिन अभी भी लोगों के पास गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम में अपने पास पड़ा सोना जमा करने का विकल्प बचा हुआ है। केंद्र सरकार ने सिर्फ मीडियम टर्म गवर्नमेंट डिपॉजिट (एमटीजीडी) और लॉन्ग टर्म गवर्नमेंट डिपॉजिट (एलटीजीडी) को ही बंद किया है। शॉर्ट टर्म बैंक डिपॉजिट (एसटीबीडी) अभी भी जारी रहेगा। हालांकि एसटीबीडी अधिकतम 3 साल के लिए ही हो सकता है और इसमें ब्याज की दर बैंकों द्वारा तय की जाती है, जबकि एमटीजीडी और एलटीजीडी में ब्याज की दर केंद्र सरकार द्वारा तय की जाती थी।

विनियमनों से वित्तीय समावेश में अनपेक्षित बाधाएं उत्पन्न नहीं होनी चाहिए: संजय मल्होत्रा

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि विनियमनों को वित्तीय समावेशन को गहरा करने के लिए ''अनपेक्षित अवरोध'' पैदा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैध गतिविधियों को रोका नहीं जाना चाहिए। मल्होत्रा ने नियामकों के लिए चेतावनी भी दी।

आरबीआई गवर्नर ने यहां वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ)) के कार्यक्रम में कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के बदलते पारिदृश्य में नियामकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) आदि के जरिए असेसमेंट फ्रेमवर्क को लगातार मजबूत करना चाहिए। मल्होत्रा ने कहा कि नीति निर्माताओं को भी सावधान रहना चाहिए और अपने उपायों के साथ अति उत्साही नहीं होना चाहिए, वैध गतिविधियों को दबाया नहीं जाना चाहिए। मल्होत्रा ने केंद्रीय बैंकों से वित्तीय दुनिया में नवीनतम रुझानों और विकास को समझने का भी आग्रह किया, जिसका आपराधिक तत्वों द्वारा फायदा उठाया जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि भारत ने वित्तीय समावेशन पर पर्याप्त प्रगति की है। अब 94 फीसदी वयस्कों के पास बैंक खाता है। उल्लेखनीय है कि वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ)) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने के लिए भी काम करता है। इसके फ्रेंच नाम, ग्रुप डी'एक्शन फाइनेंसियर (जीएएफआई) से भी जाना जाता है। इसे 1989 में जी-7 द्वारा स्थापित किया गया था।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात बढ़ना तय : डीजीएफटी

नयी दिल्ली। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने बुधवार को कहा कि वैश्विक व्यापार और शुल्क संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद आने वाले वर्षों में भारत का निर्यात बढ़ना तय है। सारंगी ने कहा कि निर्यातकों को वर्तमान वैश्विक व्यापार परिदृश्य के अनुरूप व्यावहारिक और समझदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य भारत के लिए कई तरह के काम करने का 'स्वर्णिम' अवसर प्रस्तुत करता है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। 'सोर्सएक्स इंडिया-2025' कार्यक्रम में उन्होंने कहा, व्यापार और शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद, हमारा निर्यात आने वाले वर्षों में बढ़ने वाला है।

लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना के भाव में आज 300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 89,280 रुपये से लेकर 89,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 81,840 रुपये से लेकर 81,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 81,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 81,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 81,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 81,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 81,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 81,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 89,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 81,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्रगतिशील किसानों को डीएसआर और जीरो टिलेज प्रणाली का मिला प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बुधवार को हुआ। जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्वोतर जिलों गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, वाराणसी, जौनपुर, चंदौली और गाजीपुर से आए 70 प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को खेती की नई और उन्नत तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इसके पहले कार्यक्रम का उद्घाटन आइसार्क के निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह ने किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, विश्व बैंक, बायर क्रॉप साइंस, सवाना समेत कई सार्वजनिक और निजी संस्थानों के विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को डायरेक्ट सीडेड राइस और जीरो टिलेज व्हीट जैसी नई तकनीकों के बारे में बताया गया, जिससे खेती की लागत घटाने, पानी की बचत करने और पैदावार बढ़ाने में मदद मिल सकती है। डॉ. सुधांशु सिंह ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि की बहुत संभावनाएं हैं। अगर किसान नई तकनीकों को अपनाते हैं, तो उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। आइसार्क किसानों को बेहतर तकनीक, बाजार से जुड़ाव और कार्बन क्रेडिट जैसे लाभों तक पहुंच दिलाने के लिए कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। प्रशिक्षण के दौरान कृषि वैज्ञानिकों और निजी कंपनियों के विशेषज्ञों ने खाद-उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण और मशीनों के उपयोग के बारे में जानकारी दी। बायर क्रॉप साइंस और सवाना जैसी कंपनियों के विशेषज्ञों ने उन्नत बीज, खरपतवार नियंत्रण के लिए आधुनिक दवाओं और मशीनों के महत्व को समझाया, जिससे किसान पारंपरिक खेती के बजाय कम मेहनत और अधिक फायदेमंद तरीकों को अपना सकें। इरी के डॉ. मलिक ने किसानों और वैज्ञानिकों के आपसी सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण सिर्फ जानकारी देने के लिए नहीं है, बल्कि किसानों को नई तकनीकों को आत्मविश्वास के साथ अपनाने के लिए तैयार करने का भी अवसर है।

करणी सेना ने सांसद रामजीलाल सुमन के आवास पर हमला बोला, पथराव व तोड़फोड़ की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पुलिस ने बल प्रयोग कर उपद्रवियों को हटाया, इंसपेक्टर समेत पुलिसकर्मी हुए घायल

आगरा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार दोपहर को करणी सेना के हजारों कार्यकर्ताओं ने हमला बोल दिया। कुर्सियां तोड़ डालीं, वहीं पथराव भी किया। पथराव में इंसपेक्टर समेत कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इस दौरान पुलिस ने बल प्रयोग करके भीड़ को वहां से हटाया। सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिए थे। इसको लेकर करणी सेना में काफी नाराजगी थी। इसी के चलते बुधवार दोपहर को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर लेकर आवास पर हमला बोल दिया। कुर्सी तोड़ डाली व जमकर बवाल किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया तो उनके साथ भी कार्यकर्ताओं ने हाथापाई कर डाली। पुलिस की बैरीकेडिंग तोड़ दी। पत्थर और कुर्सियां फेंकी, जिसमें कई पुलिस कर्मी घायल हुए, उनमें इंस्पेक्टर हरीपर्वत आलोक कुमार सिंह भी शामिल हैं। इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग करके सभी को वहां से हटाया। करणी सेना के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने कहा राज्यसभा सांसद ने क्षत्रिय समाज के महापुरुष के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग किया है। उनको अपने बयान वापस लेकर माफी मांगनी होगी। गौरतलब है कि 21 मार्च को राज्यसभा में सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने कहा था कि राणा सांगा ने इब्राहीम लोदी को हराने के लिए बाबर को आमंत्रित किया था। साथ ही उन्हें गद्दार तक कह डाला था। इसी बयान के विरोध में क्षत्रिय करणी सेना ने सपा सांसद के आवास का घिराव करने का ऐलान किया था।

पुलिस मुठभेड़ में वाहनों से डीजल लूटने वाला एक आरोपित गिरफ्तार

कानपुर। जिले के पश्चिमी जोन की अरौल थाना पुलिस ने मुठभेड़ में वाहनों से डीजल पेट्रोल लूटने वाले गिरोह एक शातिर आरोपित को गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल आरोपित को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम विजेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की देर रात अरौल पुलिस को सूचना मिली कि वाहनों से डीजल पेट्रोल लूटने वाले अपराधी गुजरने वाले हैं। इस सूचना पर पुलिस बल ने वाहन चेकिंग लगाई। इस बीच एकमारुति स्विफ्ट कार सवारों को रोका गया तो फायरिंग कर भागने लगे। बदमाशों का पीछा करते हुए पुलिस टीम ने शिवराजपुर टोल प्लाजा के पास काकूपुर निहाल गांव के पास कार सवारों को शिवराजपुर थाना पुलिस के साथ घेर लिया।

आठ वर्षों में सरकार ने विकास की नई गाथा लिखी : राजेश गौतम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश ने पिछले 8 वर्षों में सुशासन, सुरक्षा और समग्र विकास की नई गाथा लिखी है।यूपी सरकार विकास पथ पर अग्रसर है।जनता की कसौटी पर सरकार खरी उतरी है।सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को समाजवादी पार्टी के माफिया राज, अराजकता और पिछड़ेपन से मुक्त किया है।आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है।यूपी ने बुनियादी ढांचे, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती- किसानी, गरीब व किसान कल्याण में नए मानदंड स्थापित किए हैं। यह बातें कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने बुधवार को कादीपुर ब्लाक सभागार में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र की 8 साल की उपलब्धियां भी गिनाई।कहा मैंने कादीपुर का चौतरफा विकास किया है। कादीपुर को उत्तम विधानसभा का दर्जा दिलाया। उन्होंने पालिटेक्निक कॉलेज, नवोदय विद्यालय,नये बस अड्डे, अग्नि शमन केन्द्र व कोरोना काल में आक्सीजन प्लांट की स्थापना की चर्चा की।यह भी कहा कि सैकड़ों किलोमीटर की सड़कों का जाल बिछाया गया है।उन्होंने कादीपुर-अखंडनगर मार्ग को डबल लेन बनाना, धोपाप मार्ग, करौंदीकलां - रवनिया मार्ग, दोस्तपुर- कामतागंज-नेमपुर घाट मार्ग, डेवाढ घाट पर करोड़ों रुपए से नवीन सेतु निर्माण की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि अभी कई कार्यो दोस्तपुर मुड़िला सुरापुर मार्ग व दोस्तपुर कादीपुर चांदा मार्ग का चौड़ीकरण, बिजेथुआ धाम में कोरीडोर का निर्माण,सूरापुर को नगर पंचायत बनाने का तोहफा योगी सरकार से जल्द मिलने वाला है।विधायक राजेश गौतम व एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने इसके पहले विकासखण्ड परिसर में लगे लाभार्थी मेलें व प्रदर्शनी का शुभारंभ व अवलोकन किया।मेले में मंच का संचालन श्याम चन्द्र श्रीवास्तव ने किया। भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पत्रकार वार्ता में एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य घनश्याम चौहान,नगर पंचायत अध्यक्ष आनन्द जायसवाल, मनोज मौर्या व राजित राम, श्रवण मिश्रा व भूपेन्द्र पाठक आदि मौजूद रहे।

ईद की सेवइयां खिलानी हैं तो गुझिया भी खानी पड़ेगी: अनुज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

संभल। रमजान का आखिरी जुमा (अलविदा) की नमाज, ईद और रामनवमी को लेकर क्षेत्राधिकारी (सीओ) अनुज चौधरी ने बुधवार को कोतवाली में पीस कमेटी के पदाधिकारियों संग बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि आपको ईद की सेवइयां खिलानी हैं तो आपको होली की गुजिया भी खानी पड़ेगी। गड़बड़ तब हो जाती है, जब एक पक्ष खा रहा है और दूसरा खाने को तैयार नहीं है। तब ये भाईचारा खत्म हो जाता है। मन में कड़वाहट लेकर आप भाईचारे की बात नहीं कर सकते। उन्होंने जुमा अलविदा, ईद और रामनवमी की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं। साथ ही कहा कि जुमा अलविदा और ईद आपकी बहुत अच्छे से गुजरेगी। इसी तरह से रामनवमी भी है। सभी त्योहार बहुत अच्छे से कराने हैं। शासन का निर्देश रहता है कि सभी त्योहार शातिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करायें और हम पूरी तरह से आदेश का पालन करते हैं। सीओ ने कहा कि बीते दिनों मैंने जो बात कही थी, वह दोनों धर्म के लोगों लिए बराबर बोली थी। मैं उसे दोबारा नहीं दोहराना चाहूंगा। अगर किसी को मेरा वक्तव्य गलत लगा तो हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाकर मुझे सजा करवा सकता है। हमारा यही उद्देश्य रहता है कि हम जहां रहें, वहां शांति व्यवस्था न बिगड़े। हम प्रशासनिक सेवा में हैं। हमारा दायित्व है कि हम अपनी जिम्मेदारी ढंग से निभाएं। चाहे मैं हूं या प्रशासन का कोई भी अधिकारी हो। वह नहीं चाहेंगे कि उनके इलाके कोई बवाल या किसी तरह की समस्या हो।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)
स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस(से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

विधान परिषद सदस्य ने गिनाई, सरकार की बीते 8 साल की उपलब्धियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इसी को लेकर विधान परिषद सदस्य बाबूलाल तिवारी ने मौजूदा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने किसान सम्मान निधि, कन्या विद्या धन, कन्या सुमंगला, निराशित महिला, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, लोगों को मकान देने का काम, लोगों को अनाज देने का काम, लोगों को शिक्षा देने का काम, और लोगों को रोजगार देने जैसी कई योजनाओं को लागू किया है। बता दें कि बुधवार को विकास भवन सभागार में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेसवार्ता में सहभागिता करते हुए विधान परिषद सदस्य बाबूलाल तिवारी ने सरकार ने बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराया है। टैक्स की सीमा 12 लाख रुपए कर दी है। निराश्रितों को पेंशन दी जा रही है। महाकुंभ में 60 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान किया। यूपी में रोजगार के निरंतर अवसर बढ़ रहे हैं।

मरीज की मौत पर परिजनों ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना अंतर्गत नईगंज स्थित टियूलिप हार्ट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में एक मरीज की मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है। फूलपुर के प्यारेलाल सरोज की तबीयत खराब होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर उत्पल कुमार शर्मा के इलाज से मरीज की हालत में सुधार हुआ। डॉक्टर ने बताया कि मरीज ठीक हो गया है। चार जांच के लिए परिजनों से 13,000 रुपये जमा करवाए गए। इसके बाद डॉक्टर ने अपने चैंबर में मरीज को एक इंजेक्शन लगाया। आरोप है कि इंजेक्शन लगाने से मरीज के सीने में छेद हो गया और काफी खून निकला। 25 मार्च को शाम 6 बजे मरीज की मौत हो गई। मृतक के बेटे सुभाष सरोज ने बुधवार को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया है कि जब परिजनों ने डॉक्टर से सवाल किया तो उन्होंने डांट कर भगा दिया और गालियां दीं। परिजनों के पास सीने में लगे इंजेक्शन और खून निकलने की तस्वीरें हैं। परिवार ने डॉक्टर उत्पल कुमार शर्मा की जांच के लिए कमेटी गठित करने और पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी कराने की मांग की है। मृतक की पत्नी रौता देवी भी न्याय की गुहार लगा रही हैं। वही इस मामले में कोतवाल मिथलेश कुमार मिश्र का कहना है कि अभी इसके बारे में उनको कोई जानकारी नहीं मिली है यदि परिजन तहरीर देते हैं तो उचित कार्यवाही की जायेगी।

ऑक्टा के पदाधिकारियों का चुनाव 27 अप्रैल को

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय संघटक महाविद्यालय शिक्षक संघ (ऑक्टा) की सामान्य सभा की बैठक अध्यक्ष प्रो. उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में इलाहाबाद डिग्री कॉलेज में हुई। सभा में सदस्यों ने सर्वसम्मति से ऑक्टा के पदाधिकारियों का चुनाव 27 अप्रैल तक पूरा करा लेने का प्रस्ताव पारित किया गया। 6 अप्रैल को अंतिम वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। महाविद्यालय इकाइयों का गठन करने की अंतिम तिथि 16 अप्रैल है। ऑक्टा कार्यकारिणी की अगली बैठक में चुनाव सम्पन्न कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी तथा सहायक चुनाव अधिकारियों का चयन किया जाएगा। बैठक में महाविद्यालयों से वापस लिए गए विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं को दोबारा शुरू करने के सम्बंध में किए जाने वाले प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की गई और निर्णय लिया गया कि ऑक्टा अपने प्रयास और संघर्ष को केंद्र से लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर जारी रखेगा। यूजीसी द्वारा पीएचडी इंक्रीमेंट वापस लिए जाने के संदर्भ में कुलपति द्वारा पीएचडी इंक्रीमेंट वापस नहीं लिए जाने और यूजीसी द्वारा कमेटी बनाये जाने का स्वागत किया गया। सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह मांग की कि महाविद्यालय के जिन विषयों में अब तक शिक्षकों को शोध करने की अनुमति नहीं मिली है, उन विषयों में भी शीघ्र शिक्षकों को शोध कराने की अनुमति विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाए। अनेक सदस्यों ने यूजीसी रेगुलेशन के अनुरूप अर्हता तिथि से प्रोफ़ेसर पद पर प्रोन्नति के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कमेटी न बनाये जाने और इस मुद्दे पर टाल मटोल करने पर क्षोभ व्यक्त किया। ऑक्टा अध्यक्ष प्रो.उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि देश के कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों के महाविद्यालयों से सूचना अधिकार के तहत सूचना मंगाई गई है जिससे स्पष्ट है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रत्येक महाविद्यालय में अर्ह शिक्षकों को 18 जुलाई 2018 से प्रोफ़ेसर पद पर पदोन्नति की गई है।

सदस्यों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय सीजीएचएस की बहुत ही खराब और दयनीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की। कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विश्वविद्यालय और संघटक महाविद्यालयों के हजारों शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए मेडिकल की इतनी घटिया व्यवस्था पर विश्वविद्यालय मौन है। बैठक में सर्वसम्मत से केंद्र सरकार द्वारा लाई गई नई पेंशन नीति की आलोचना की गई और पुरानी पेंशन की मांग की गई। फैसला लिया गया कि पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने के लिए ऑक्टा का संघर्ष लगातार जारी रहेगा। ऑक्टा अध्यक्ष ने इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के नवनियुक्त शिक्षकों सहित सभी सदस्यों का स्वागत किया। संचालन महासचिव प्रो. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष डॉ. अखिलेश कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में महिला उपाध्यक्ष प्रो. अंशु माला मिश्रा, कोषाध्यक्ष डॉ. हरिश्चंद्र यादव, संयुक्त सचिव डॉ. आशीष मिश्रा, पूर्व ऑक्टा अध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र पाल सिंह, प्रो. आनंदपाल, प्रो. मार्तंड सिंह, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. नरेंद्र बाजपेई, प्रो. धीरज कुमार, प्रो. रजत श्रीवास्तव, प्रो. नंदिता श्रीवास्तव, प्रो. संघसेन सिंह, डॉ. शिवशंकर श्रीवास्तव,डॉ. अमित सिंह, प्रो. एस पी सिंह, डॉ. नीरज सिंह, प्रवीण कुमार, डॉ. आशीष त्रिपाठी सहित सभी महाविद्यालयों के शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

डॉ. जमील अहमद ने तैयार की नई डिवाइस मालूम होगी ऐतिहासिक स्थलों की उम्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। ऐतिहासिक स्थलों और स्मारकों का सही उम्र पता करना इतिहासकारों के लिए सदैव से एक चुनौती रही है। ईश्वर शरण पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ.जमील अहमद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित एक ऐसी डिवाइस तैयार की है, जिससे ऐतिहासिक स्थलों व स्मारकों की प्राचीनता अथवा उम्र का सटीक पता लगाना सम्भव हो सकेगा।

कॉलेज के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. जमील अहमद ने बताया कि उनके पेटेंट डिज़ाइन ''एआई बेस्ड हिस्टोरिकल प्लेस एज डिटेक्शन डिवाइस'' को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने स्वीकृत करते हुए रजिस्टर्ड कर लिया है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक के जरिए हाई-रिजॉल्यूशन फोटो कैप्चर और प्रोसेस किया जाता है ताकि विरासत की तमाम विशिष्टताओं और पैटर्न की पहचान की जा सके। इस डिवाइस के जरिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से विभिन्न श्रोतों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया जाता है। इसमें वास्तुशिल्प, स्थापत्य शैली, निर्माण सामग्रियां और अभिलेख आदि शामिल हैं। इसके द्वारा साइट (ऐतिहासिक स्थलों या स्मारकों) की हाई-रिजॉल्यूशन फोटो कैप्चर और प्रोसेस करना आसान होगा। ताकि विरासत की तमाम विशिष्टताओं और पैटर्न की पहचान की जा सके। डॉ अहमद ने आगे बताया कि यह उपकरण एक डेटा बेस से संचालित होता है, जिसमें ऐतिहासिक स्थलों की विभिन्न जानकारियां मौजूद होती हैं। यह एक पोर्टेबल, कॉम्पैक्ट और हल्का उपकरण है जिसे आसानी से दूरस्थ स्थानों पर ले जाया जा सकता है। इसमें परिणाम तेजी से प्राप्त होते हैं, जिससे शोधकर्ता कई ज्ञात-अज्ञात स्थलों का मूल्यांकन और तिथि निर्धारण सटीक और आसान तरीके से कर सकते हैं। कालेज के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने इसे कालेज के साथ-साथ इतिहास एवं पुरातत्व जगत के लिए गौरव बताया है। उन्होंने बताया कि डॉ. जमील के एक अन्य पेटेंट डिजाइन ''डिजिटल मैपिंग डिवाइस फॉर आर्कियोलॉजिकल फील्ड वर्क्स'' को भी पिछले शैक्षिक सत्र में पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार ने स्वीकृत व रजिस्टर्ड किया गया है। दोनों ही पेटेंट डिजाइन पुरातात्विक सर्वेक्षण विधि एवं तकनीक पर आधारित है।